हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 242 बेमेतरा, सोमवार 27 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

के कविता ने खुद की राजनीतिक पार्टी लॉन्च की, नाम रखा तेलंगाना राष्ट्र सेना

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से निकाले जाने के बाद के कविता ने खुद की राजनीतिक पार्टी लॉन्च की है। इसका नाम तेलंगाना राष्ट्र सेना (टीआरएस) रखा गया है। कविता तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस के प्रमुख के चंद्रशेखर राव की बेटी हैं। ये घटनाक्रम ऐसे वक्त सामने आया है, जब 7 महीने पहले कविता को बीआरएस से निकाल दिया गया था। अब उन्होंने नई पार्टी लॉन्च कर दी है। कविता ने कहा, हम पीछे नहीं हटेंगे, चाहे कुछ भी हो जाए; अब समय आ गया है तेलंगाना की जनता अपनी बात कहे। हम अपनी आकांक्षाओं को मिटने नहीं देंगे; अगर तुम हमारे रास्ते में आए, तो राख बनकर रह जाओगे। उन्होंने कहा, मैं तेलंगाना की बेटी हूं। मेरे खून में तेलंगाना है, तेलंगाना का जज्बा है। हम बहुत दृढ़ हैं, अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। हमने अपने जीवन के 20 साल तेलंगाना आंदोलन में बिताए हैं। सितंबर, 2025 में बीआरएस ने कविता को पार्टी से निकाल दिया था। तब पार्टी के महासचिव टी रविंदर राव ने कहा था, पार्टी एमएलसी के कविता के हालिया व्यवहार और चल रही पार्टी विरोधी गतिविधियों से बीआरएस पार्टी को नुकसान हो रहा है। इसलिए पार्टी नेतृत्व इस मामले को गंभीरता से ले रहा है। पार्टी अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने के कविता को तत्काल पार्टी से निलंबित करने का निर्णय लिया है।

पश्चिम बंगाल में पीडीएस घोटाले में ईडी ने 9 ठिकानों पर मारे छापे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी जारी है। आज ईडी ने कोलकाता समेत 9 जगहों पर छापा मारा है। ये कार्रवाई पश्चिम बंगाल में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से जुड़े राशन घोटाले में की गई है। ये ठिकाने मुख्य रूप से आपूर्तिकर्ताओं और निर्यातकों से जुड़े हैं, जिनमें निरंजन चंद्र साहा का परिसर भी शामिल है। ईडी ने यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की है। ईडी की कोलकाता जोनल टीम ने कोलकाता, बर्धमान और हाबडा में 9 ठिकानों पर छापा मारा है। हाबड़ा में 3 चावल व्यापारियों के घरों पर छापा मारा गया है।

भाजपा महिला सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध-पीएम मोदी

गुंडे-बलात्कारियों को पाताल से खोज लाएगी बीजेपी-मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस पर महिलाओं को प्रताड़ित करने वाले गुंडों को पनाह देने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा द्वारा संदेशखाली की रेखा पात्रा और आर जी कर अस्पताल की पीड़िता की मां को चुनाव टिकट देना महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है. उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव में ठाकुरनगर स्थित मतुआ समुदाय के गढ़ में एक चुनावी रैली में मोदी ने कहा कि पड़ोसी देश में धार्मिक उत्पीड़न के बाद भारत में शरण लेने वाले सभी शरणार्थियों को संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) के तहत निर्धारित प्रक्रियाओं के माध्यम से नागरिकता प्रदान की जाएगी. पहले चरण के चुनावों में 93 प्रतिशत से अधिक रिकॉर्ड मतदान का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, पहले चरण में तृणमूल कांग्रेस का अहंकार चकनाचूर हो गया, दूसरा चरण राज्य में भाजपा की जीत को पुख्ता करेगा. प्रधानमंत्री ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के स्वतंत्रता-पूर्व दिए गए नारे 'तुम मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूंगा' का जिक्र करते हुए लोगों से भाजपा को वोट देने का आग्रह करते हुए कहा, और मैं आपको तृणमूल के 'महा जंगलराज' से आजादी दूंगा मोदी ने कहा, तृणमूल कांग्रेस की 'निर्मम सरकार' इस राज्य की महिलाओं पर अत्याचार करने वाले गुंडों के साथ खड़ी है. अब समय आ गया है कि हम यह कहें कि हम इसे और बर्दाश्त नहीं करेंगे. प्रधानमंत्री ने सभी घुसपैठियों को

चेतावनी दी कि वे चुनाव के दूसरे चरण के मतदान की तारीख 29 अप्रैल से पहले देश छोड़ दें, अन्यथा 4 मई को परिणाम आने के बाद उन्हें बाहर निकाल दिया जाएगा सभी मतुआ शरणार्थियों के लिए नागरिकता की मोदी की गारंटी वहीं ठाकुरनगर में पीएम मोदी ने कहा कि देश भर के सभी मतुआ, बेघर लोगों और शरणार्थियों को नागरिकता दी जाएगी. उन्होंने नॉर्थ 24 परगना के ठाकुरनगर में हुई एक चुनावी रैली के दौरान यह बातें कहीं. इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने यह और भरोसा दिया: मतुआ लोगों को भारत के नागरिकों को मिलने वाले हर अधिकार का फ़ायदा मिलेगा. पीएम मोदी ने कहा कि उनके पास इसके एक नहीं, अनेक उदाहरण हैं. आप शिक्षक भर्ती घोटाले का मामला लीजिए. संवेदनशील सरकार होती तो ईमानदारी से जांच करती लेकिन कोर्ट को इसमें जांच के आदेश देने पड़े यानी टीएमसी की सरकार की विश्वसनीयता शून्य है. टीएमसी इस घोटाले की जांच नहीं करती है. पीएम मोदी ने कहा कि 2023 के पंचायत चुनाव का एक और उदाहरण है. हर राज्य में पंचायत चुनाव राज्य सरकारें ही करवाती हैं. सुरक्षा का जिम्मा उन्हीं का होता है लेकिन कोर्ट को लगा कि टीएमसी सरकार सुरक्षा नहीं दे सकती इसलिए कोर्ट ने पंचायत चुनाव के लिए भी केंद्रीय बलों को लगाने का आदेश दिया.

पहले चरण में भारी मतदान से टीएमसी का अहंकार टूटा-पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले मैं सिंगुर आया था. उसी समय उन्हें टीएमसी की निर्मम सरकार के प्रति जनता का गुस्सा साफ साफ देखा था. आज मैं फिर देख रहा हूं, वो गुस्सा अपने चरम पर पहुंच चुका है और इस गुस्से में बंगाल का एक ही उद्घोष है. बंगाल का एक ही संकल्प है, बंगाल ने ठान लिया है, 'पलटानो दोरकार, चाई बीजेपी सरकार'. पीएम मोदी ने कहा कि पहले चरण में भारी मतदान से टीएमसी का अहंकार टूट गया है, दूसरे चरण में भाजपा सरकार की प्रचंड जीत पक्की होने जा रही है.

टीएमसी पर लगाया कांग्रेस नेता की हत्या का आरोप

राहुल गांधी ने सीएम ममता को घेरा लोकतंत्र नहीं,आतंक राज!

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए राजनीतिक पार्टियां जोरो-शोरो से चुनावी प्रचार में लगी हुई। इस दौरान कांग्रेस के लिए लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी पश्चिम बंगाल में ममता सरकार को घेरते नजर आ रहे है। उन्होंने बंगाल की ममता सरकार पर निशाना साधते हुए गंभीर आरोप लगा दिए है। राहुल गांधी का यह बयान बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की हत्या के बाद सामने आया है। कांग्रेस पार्टी ने यह आरोप लगाया है कि देबदीप चटर्जी की हत्या तृणमूल

कांग्रेस पार्टी से जुड़े लोगों ने की है। इस मामले में राहुल ने ममता को भी घेर लिया है। हालांकि, अभी तक इस मामले में तृणमूल कांग्रेस की ओर से किसी प्रकार का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। राहुल गांधी ने इस मामले को लेकर एक्स पर संवेदना जाहिर करते हुए एक पोस्ट भी लिखा। उन्होंने लिखा, चुनावों के बाद टीएमसी से जुड़े गुंडों द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की हत्या बेहद निंदनीय है। शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। आज पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र नहीं, बल्कि टीएमसी का आतंक राज चल रहा है। वोट पड़ने के बाद विरोधी आवाज़ों को डराना, उन पर हमला करना और उन्हें खत्म कर देना यह टीएमसी की पहचान बन गया है। राहुल गांधी ने आगे लिखा, कांग्रेस की राजनीति कभी भी हिंसा पर आधारित नहीं रही है। और न ही कभी होगी। हमने भी अपने कार्यकर्ता खोए हैं।

उत्तरी भारत में भीषण लू का प्रकोप, यूपी के 32 जिलों के लिए अलर्ट जारी

नई दिल्ली। दिल्ली और उत्तर भारत के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी की लहर जारी है, जिससे लोग भीषण तापमान और शुष्क, झुलसा देने वाली हवाओं के कारण परेशान हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, निकट भविष्य में राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है, भीषण गर्मी और असुविधा जारी रहने की आशंका है। इसी बीच, उत्तर प्रदेश के 32 जिलों में भीषण गर्मी की चेतावनी जारी की गई है। पिछले 24 घंटों में शहर के तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जबकि अधिकतम तापमान 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

ममता की धमकी का दिया करारा जवाब

110 सीटें जीत रहें है सीताभोग से मनेगा जीत का जश्न-शाह..

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होने वाले है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 29 तारीख को होने वाले विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण से पहले एक रोड शो कर रहे हैं। अमित शाह ने हावड़ा, पूर्वी बर्दवान समेत कई जिलों में जनता को संबोधित किया और रोड शो में हिस्सा लिया। अपने मंच से शाह ने ममता बनर्जी पर जोरदार निशाना साधा और दावा कर दिया कि इस बार भाजपा की सरकार बनेगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उनके

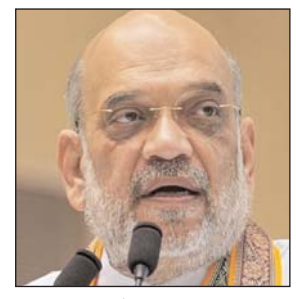

बयानों पर केस दर्ज करने की धमकी पर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, क्या आप उम्मीद करते हैं कि हम गुंडों को माला पहनाएंगे दीदी चाहे कितना भी विरोध करें, उन्हें जेल भेजा जाएगा और गुंडों को उल्टा लटकाया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने जवाब देते हुए कहा ममता बनर्जी तो बातें करती रहती हैं। वह कोर्ट में लगातार हारती रही हैं। और आगे भी ऐसा ही होता रहेगा। हम तो जनता के बीच हैं, और बंगाल की जनता को ही 29 तारीख को फैसला करना है। ममता बनर्जी आखिर कहना क्या चाहती हैं क्या गुंडों का सम्मान किया जाना चाहिए? उनका (ममता बनर्जी का) तो यही प्लान है कि जो लोग जनता को परेशान करते हैं, उनका सम्मान किया जाए। अपनी रैली के दौरान उन्होंने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। शाह बोले हर पार्टी अपनी-अपनी बात कहती है, राहुल गांधी भी वही कर रहे हैं।

शीशमहल 2.0 विवाद पर भड़के

हां में हां मिलाने वाले उल्लू के पट्ठे-सिसोदिया

नई दिल्ली। दिल्ली की राजनीति में एक बार फिर 'शीश महल' का विवाद गहरा गया है, जिसने आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच जुबानी जंग को तेज कर दिया है। इस बार विवाद की जड़ अरविंद केजरीवाल का नया सरकारी बंगला है। केजरीवाल के नए सरकारी बंगले को लेकर सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। भाजपा इसे विलासिता का प्रतीक बता रही है, वहीं आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं ने इसे पार्टी की छवि खराब करने की एक सुनियोजित साजिश करार दिया है। मनीष सिसोदिया ने

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन लोगों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है जो केजरीवाल के नए आवास को 'शीश महल पार्ट टू' कह रहे हैं। सिसोदिया ने बेहद कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए ऐसे लोगों को 'उल्लू' और 'उल्लू के पट्ठे' कहकर संबोधित किया।

कार की टक्कर में बैटरी रिक्शा चालक की मौत, दो महिलाओं और तीन बच्चों समेत पांच सवारियां घायल

नई दिल्ली। मॉडल टाउन इलाके में जीबी पंत अस्पताल के डॉक्टर ने अपनी आई 20 कार से ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा चालक नागेंद्र (36) की मौत हो गई। वहीं, पांच सवारी घायल हो गए। घटना के बाद डॉक्टर ने घायलों को अपनी कार से पास के विनायक अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने आरोपी डॉक्टर सिद्धार्थ के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब छह बजे पुलिस को रिंग रोड स्थित नारंग आई हॉस्पिटल के पास सड़क हादसे की जानकारी मिली।

सात मई को तय थी शादी

शादी का लड्डू खाने से पहले कांग्रेस नेता गिरफ्तार,10 साल तक किया दुष्कर्म,प्रेमिका ने कराई जेल की सैर

कवर्धा/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले से एक कांग्रेस नेता को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। इस बड़े प्रकरण में रायपुर पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। बताया जाता है कि कांग्रेस नेता को शादी से ठीक पहले पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एक युवती की ओर से गंभीर यौन शोषण के आरोपों के बाद यह गिरफ्तारी हुई है। इससे रायपुर समेत कबीरधाम में चर्चा का विषय बना हुआ है। आरोपी को रायपुर से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उसे उसे कवर्धा लाया गया। सूत्रों के अनुसार, पुलिस को

आरोपी की जानकारी मिलने पर टीम ने उसे हिरासत में लिया। कवर्धा के जिला किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रवि चंद्रवंशी पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। युवती की शिकायत पर महिला थाना में एफआईआर दर्ज की गई थी। मामले की प्रारंभिक जांच के बाद आरोपों को गंभीर मानते हुए कार्रवाई की गई है। खास और बड़ी बात यह है कि रवि चंद्रवंशी की शादी सात मई को तय थी। शादी की तैयारियां जोरों पर चल रही थीं, लेकिन गिरफ्तारी के बाद अब वो जेल की हवा काटेगा। इस घटना को लेकर सियासी गलियारे में तरह-तरह की चर्चा हो रही है। युवती का आरोप है कि आरोपी ने उसे शादी का आश्वासन दिया था। इसके बाद कई बार शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी करने से पीछे हट गया। फिलहाल, पुलिस मामले की गहन-जांच पड़ताल कर रही है। इस केस में दोनों पक्षों के बयान, सबूत और अन्य पहलुओं को शामिल कर जांच की जा रही है। इतना ही नहीं युवती का आरोप है कि कांग्रेस नेता ने उसे शादी का भरोसा देकर करीब 10 वर्षों तक उसका शारीरिक शोषण किया। शिकायत मिलते ही पुलिस हरकत में आई और मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मन की बात में छत्तीसगढ़ का निरंतर जिक्र गौरव की बात-मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ में काले हिरण संरक्षण प्रयासों की सराहना कर बढ़ाया प्रदेश का मान-मुख्यमंत्री साय

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में छत्तीसगढ़ में काले हिरण के संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख किए जाने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इसे प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों का लगातार जिक्र होना न केवल राज्य की पहचान को सुदृढ़ करता है, बल्कि प्रदेशवासियों के मनोबल को भी नई ऊंचाई प्रदान करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने राजधानी रायपुर के भाटागांव स्थित विनायक सिटी में विशाल जनसमूह के साथ मन की बात की 133वीं कड़ी का श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मन की बात आज देश के जनमानस को जोड़ने वाला एक सशक्त माध्यम बन चुका है, जिसके जरिए देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचार, जनभागीदारी और जमीनी स्तर के उत्कृष्ट प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एक अभिभावक की तरह देशवासियों से संवाद करते हुए न

केवल प्रेरणादायक कहानियों को सामने लाते हैं, बल्कि समाज के हर वर्ग को सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित भी करते हैं। इस संवाद के माध्यम से लोगों में सहभागिता की भावना मजबूत होती है और राष्ट्र निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को नई ऊर्जा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में काले हिरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों का राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेख होना राज्य के लिए विशेष सम्मान का विषय है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के प्रति प्रदेश की प्रतिबद्धता मजबूत है। साथ ही, यह अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में उभर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बांस को पेड़ की श्रेणी से अलग कर विशेष श्रेणी में शामिल किए जाने के बाद इसके उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे विशेष रूप से महिलाओं की आय में सकारात्मक बदलाव आया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री द्वारा पवन ऊर्जा की आवश्यकता और संभावनाओं पर दिए गए विशेष जोर का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी इस दिशा में निरंतर और ठोस प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने एक अनूठी पहल करते हुए उपस्थित जनसमूह के साथ घर से लाए गए छत्तीसगढ़ी व्यंजनों को साझा कर साथ में भोजन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी विश्वास, अपनापन और एकता की भावना को मजबूत करते हैं।

सभी ने चर्चा से पहले ही पार्टी छोड़ी

आप सांसदों से मिलना चाहते थे केजरीवाल....

नईदिल्ली। राघव चड्ढा समेत आम आदमी पार्टी (आप) के 3 राज्यसभा सांसदों ने बीते दिन पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। राघव का दावा है कि 4 और सांसद भाजपा में शामिल होंगे। अब खबर आई है कि बागी सांसदों को मनाने के लिए पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने उनसे चर्चा करना चाही थी। हालांकि, इससे पहले ही सभी सांसद भाजपा में शामिल हो गए। सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, केजरीवाल ने अगले कार्यकाल में 6 में से कम से कम 5 नेताओं को टिकट देने का वादा किया

था। हालांकि, उन्होंने शर्त रखी थी कि वे किसी कारण से खुश नहीं हैं, तो अभी पार्टी छोड़ सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि केजरीवाल ने शुक्रवार शाम को चर्चा के लिए उन्हें अपने घर बुलाया था, लेकिन यह बैठक हो ही नहीं पाई, क्योंकि सांसदों ने शुक्रवार को ही पार्टी छोड़ने की घोषणा कर दी।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर जनता को गुमराह कर रही भाजपा : मनहर

कांग्रेस की पूर्व विधायक व महिला आरक्षण पर पार्टी की जिला प्रभारी की पत्रकार वार्ता

चांपा/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी महिलाओं को आरक्षण देने की पक्षधर नही है वरन वह महिला आरक्षण विधेयक संसद में पारित नही होने का ठीकरा विपक्ष के सर पर फोड़कर राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कथित महिला आरक्षण बिल संसद में पारित नही होने के बाद राष्ट्र के नाम जो संबोधन दिया था उसके विरूद्ध कांग्रेस विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाएगी। उक्त बातें सारँगगढ़ की पूर्व कांग्रेस विधायक तथा प्रदेश कांग्रेस से जांजगीर चांपा जिले के लिए नियुक्त महिला आरक्षण बिल की प्रभारी श्रीमती पदमा मनहर ने स्थानीय नवीन विश्राम गृह में रविवार को दोपहर पत्रकारों के साथ एक चर्चा में कही। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी कभी भी महिला हितैषी नही रही है। जबकि इसके विपरीत कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं को अधिकार और सम्मान दिया है। भाजपा ने मणिपुर में महिलाओं पर लगातार हो रहे अत्याचार पर भी मौन साधे रहा तो वही उनकी ही पार्टी की सासंद ब्रजभूषण शरण सिंह पर अनेक महिला पहलवानों ने शोषण और उत्पीड़न के आरोप लगाए। इसके बावजूद भाजपा ने कुछ नही किया। इस पार्टी के 43 से ज्यादा जनप्रतिनिधियों पर महिला उत्पीड़न के आरोप है तो ऐसी पार्टी किस मुह से महिलाओं की पक्षधर होने का दावा कर रही है। इसके विपरीत कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं को आगे लाने का प्रयास किया है। हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने पंचायतों तथा नगरीय निकायो में महिलाओं को 33त्न भागीदारी प्रदान की है। श्रीमती मनहर ने आरोप लगाया कि वर्ष 2023 में ही महिला आरक्षण बिल संसद के दोनो सदनों में पारित होकर राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून का रूप ले चुका है लेकिन इसे लागू नही करके भाजपा अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए परिशीमन की आड़ में महिला आरक्षण बिल लेकर आई जो उसकी कुटिल भावना के कारण पारित नही हो पाया। चर्चा के दौरान उपस्थित जिला महिला कांग्रेस की सचिव श्रीमती नम्रता नामदेव ने आरोप लगाया कि भाजपा महिलाओं को आरक्षण देने के बहाने उनका राजनीतिक लाभ लेना चाहती है जबकि कांग्रेस ने प्रारंभ से ही देश के हर सर्वोच्च पद पर महिलाओं को आसीन कर उन्हें आगे बढ़ने का प्रयास किया है।उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के अहम मुद्दों पर राष्ट्र को सम्बोधित करने की बजाए दलगत लाभ लेने के लिए राष्ट्र को संबोधित कर रहे थे जो विशेषधिकार हनन का मामला बनता है। इस मौके पर मौजूद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने कहा कि महिला आरक्षण बिल के बहाने भाजपा परिशीमन बिल पारित कराना चाहती थी जो विपक्ष के साहस से पारित नही हो पाया। अब भाजपा देश भर में महिला हितैषी होने का दावा करते हुए समूचे विपक्ष पर महिला विरोधी होने का आरोप मढ़ रही है। लेकिन देश की महिलाएं यह अच्छे से जानती है कि महिला अधिकारों के प्रति भाजपा का वास्तव में क्या रवैया है। चर्चा के दौरान नगर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती गीता केशव सोनी, राम बाई स्वर्णकार,अनिता प्रकाश,प्रेमलता श्रीवास, पूजा राठौर,कीर्ति दीवान,रीतू तिवारी तथा जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री नागेंद्र गुप्ता, नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील साधवानी व राज अग्रवाल भी मौजूद थे।

भाजपा नेताओं के भ्रष्टाचार का शिकार बने ईमानदार प्रधान अध्यापक स्वर्गीय राजू पुजारी - विजय झाड़ी

भाजपा नेता और ठेकेदार जागर लक्ष्मैया द्वारा अब तक किए गए सभी सरकारी निर्माण कार्यों की तत्काल जांच हो - विजय झाड़ी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बिते रविवार को जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे. (जेसीसीजे) के बस्तर संभागीय उपाध्यक्ष विजय झाड़ी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद से भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार अपने चरम पर पहुँच गया है। खासकर बीजापुर जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में विकास के नाम पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में भ्रष्टाचार करने की होड़ मची हुई है।विजय झाड़ी ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि बीजापुर जिले के चेरपाल निवासी एवं प्राथमिक शाला पालनार के ईमानदार प्रधान अध्यापक स्वर्गीय श्री राजू पुजारी भाजपा नेताओं के भ्रष्टाचार और प्रताड़ना के शिकार बने। विजय झाड़ी ने आगे कहा कि भाजपा नेता और ठेकेदार जागर लक्ष्मैया को अब तक मिले सभी सरकारी निर्माण कार्यों की तत्काल जांच कराई जाए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पालनार की प्राथमिक शाला भवन का निर्माण, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 20 लाख 30 हजार रुपये है, मूल रूप से शाला प्रबंधन समिति (एसएमसी) द्वारा किया जाना था। बिना किसी निविदा प्रक्रिया के यह कार्य भाजपा नेता और ठेकेदार जागर लक्ष्मैया को कैसे सौंपा गया, यह गंभीर सवाल है।उन्होंने डीएमसी की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब शाला प्रबंधन समिति को निर्माण एजेंसी बनाया गया था, तब इस कार्य को बिना निविदा के जागर लक्ष्मैया को किसने और कैसे सौंपा? इसमें डीएमसी की संलिप्तता की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।विजय झाड़ी ने पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा कराने की मांग की है।

5 मई को छत्तीसगढ़ी कवि सम्मेलन, वरिष्ठ पत्रकार कुंजबिहारी साहू की स्मृति में होगा

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पत्रकार कुंजबिहारी साहू की स्मृति में 5 मई को खरौद स्थित लक्ष्मणेश्वर मंदिर के सामने रात्रि 9 बजे से 'छत्तीसगढ़ी कवि सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा। आयोजन का यह तीसरा वर्ष है। इस कबि सम्मेलन में राजनांदगांव के हास्य कवि पद्मलोचन शर्मा 'मुंहफट', बेमेतरा के हास्य कवि रामानंद त्रिपाठी, कोरबा की श्रृंगार कवियित्री श्रीमती संतोषी 'श्रद्धा', साजा के ओज कवि ईश्वर साहू 'आरुग', बालोद के हास्य कवि कैलाश कुंवारा, जांजगीर (खोखरा) के कवि-गीतकार अनुभव तिवारी शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ी कबि सम्मेलन का संचालन बिलाईगढ़ के कवि (हास्य-व्यंग्य-गीत) शशिभूषण सनेही करेंगे. कबि सम्मेलन के पहले शाम 7 बजे से भक्ति गीतों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा, जहां विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्रा प्रस्तुति देंगे। वरिष्ठ पत्रकार कुंजबिहारी साहू स्मृति आयोजन समिति के संयोजक राजकुमार साहू ने लोगों से 'छत्तीसगढ़ी कबि सम्मेलन' में शामिल होने और काव्यपाठ का रसपान करने की अपील की है। इस आयोजन को सफल बनाने में खरौद नगर पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षदों के साथ ही महामाया अध्यात्म सेवा समिति, इंदलदेव सेवा समिति, नारी शक्ति संगठन और युवा जागरण समिति के द्वारा सहभागिता निभाई जा रही है।

खबर का असरः नींद से जागे खाद्य अधिकारी, 24 घंटे में पीडीएस दुकानों तक पहुंचा चावल

मीडिया में खबर छपते ही हरकत में आया विभाग, एजेंसी की दलीलों पर उठे सवाल

चांपा/मूक पत्रिका

मीडिया में पीडीएस दुकानों में चावल की किल्लत को लेकर खबर प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद आखिरकार खाद्य विभाग की नींद खुली। खबर सामने आते ही खाद्य अधिकारी संदीप पांडे हरकत में आए और महज कल-आज के भीतर लगभग 7 पीडीएस दुकानों में चावल पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि इससे पहले सोसायटी संचालकों द्वारा बार-बार अवगत कराने के बावजूद न तो खाद्य अधिकारी ने ध्यान दिया और न ही चावल पहुंचाने वाली एजेंसी ने गंभीरता दिखाई। एजेंसी का लगातार यह बहाना रहा कि उनके पास केवल बड़ी गाड़ी है और छोटी गाड़ी कहीं काम में फंसी होने के कारण चावल दुकानों तक नहीं पहुंचाया जा सकता।हालांकि, जैसे ही दुकानों में चावल नहीं होने से जनता परेशान हुई और मामला मीडिया में प्रमुखता से उठा, वैसे ही हालात अचानक बदल गए। जिस एजेंसी के पास कथित तौर पर ÷छोटी गाड़ी नहीं थी÷, उसके पास अब अचानक छोटी गाड़ी उपलब्ध हो गई और चावल का वितरण शुरू हो गया। यह स्थिति अपने आप में कई सवाल खड़े कर रही है।पूरे घटनाक्रम से साफ जाहिर होता है कि खाद्य अधिकारी और सोसायटी में चावल पहुंचाने वाली एजेंसी दोनों की भारी लापरवाही रही। जब तक मामला सार्वजनिक नहीं हुआ, तब तक जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे रहे। खबर प्रकाशित होने के बाद ही प्रशासनिक सक्रियता दिखाई दी। फिलहाल राहत की बात यह है कि अब लगभग सभी पीडीएस दुकानों में चावल पहुंच चुका है और जनता को पुनः सुचारू रूप से राशन मिलने लगा है। लेकिन यह सवाल बरकरार है कि यदि मीडिया में खबर नहीं छपती, तो क्या जनता को उसका हक समय पर मिल पाता?

जिला कांग्रेस कमेटी करेगी जनपद सदस्य दीपक दिनकर के आंदोलन का समर्थन आशीष छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा है कि जनपद सदस्य एवं गौ सेवक दीपक दिनकर द्वारा दिनांक 27 अप्रैल को किया जा रहे कलेक्टर कार्यालय घेराव एवं एन एच 30 पर किए जा रहे चक्का जाम को अपना समर्थन देती है राज्य की भाजपा सरकार ऐसे तो हिंदुत्व के ऊपर बड़े-बड़े दावे करती है और छत्तीसगढ़ की सड़कों पर बड़ी तादाद में गौ माता सड़क दुर्घटना एवं प्रशासन के लापरवाही के कारण मरी जा रही है उसे पर ध्यान देने का नाम नहीं लेती गत वर्ष इसी तरह बेमेतरा जनपद क्षेत्र में भारी संख्या में सैकड़ो के तादाद मे गाय एवं बछड़े बिना चारा पानी के एक जगह घेर दिए जाने के कारण मारे गए थे जिस पर प्रशासन ने उनकी समुचित व्यवस्था किए जाने एवं नुकसानी का हर्जाना दिए जाने की बात कही थी जिसे अब तक पूरा नहीं किया गया है जिसके लिए जनपद सदस्य दीपक दिनकर द्वारा जो गौ सेवक भी है के द्वारा आंदोलन किया जा रहा है उस आंदोलन का समर्थन जिला कांग्रेस कमेटी करती है और उनके इस जन आंदोलन में साथ खड़ी रहेगी जब तक गौ वश के साथ न्याय नहीं हो जाता

शिक्षक राजू पुजारी की आत्महत्या की घटना की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराए जाने की मांग को लेकर विधायक विक्रम मंडावी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के विधायक विक्रम मंडावी ने रविवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को एक पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि जिला-बीजापुर के अंतर्गत चेरपाल निवासी स्व.श्री राजू पुजारी, प्रधान अध्यापक, प्राथमिक शाला पालनार में पदस्थ थे। स्व. श्री राजू पुजारी अपने कार्य के प्रति निष्ठा और ईमानदारी के लिये पूरे क्षेत्र में सम्मानित थे। विधायक विक्रम मंडावी ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि परिजनो के कथनानुसार प्राथमिक शाला पालनार का निर्माण लगभग 20 लाख 30 हजार रूपये की लागत से किया जा रहा था और निर्माण एजेंसी शाला प्रबंधन समिति थी। निर्माणाधीन स्कूल भवन को ठेकदार और इंजीनियर द्वारा बहुत ही घटिया और गुणवत्ताहीन तरीके से किया जा रहा था। निर्माणाधीन स्कूल भवन की राशि के भुगतान को लेकर काफी मानसिक रूप से परेशान थे। जिसकी शिकायत उन्होंने अपने उच्चाधिकारियों से किया किन्तु अधिकारियों ने शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया और निर्माणाधीन स्कूल भवन की राशि जबरन ठेकेदार को देने दबाव बनाया जा रहा था और ठेकेदार, इंजीनियर और संबंधित अधिकारी द्वारा शिक्षक को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर जबरन निर्माणाधीन स्कूल भवन की पूरी राशि निकालकर देने का दबाव डाले जाने के कारण तंग आकर आत्महत्या करने को मजबूर हो गये और 22 अप्रैल को उन्होने सुसाइड नोट लिख कर आत्मघाती कदम उठाते हुए आत्महत्या कर लिया। सुसाइड नोट पर विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं पेटी ठेकेदार के नाम उल्लेखित है एवं जागर लक्ष्मैया, ठेकदार, निवासी बीजापुर का नाम सरकारी दस्तावेज (शाला प्रबंधन समिति पंजी) के अनुसार चेक देना, चेक पंजी में उल्लेखित है और ठेकेदार जागर लक्ष्मैया के कहने पर ही पेटी ठेकेदार को राशि आहरण कि लिये चेक प्रदान किया गया है जो कि अत्यन्त गंभीर प्रतीत होता है। स्व. श्री राजू पुजारी, प्रधान अध्यापक, प्राथमिक शाला पालनार के आत्महत्या में भ्रस्टाचार एवं बड़े अधिकारियों की भूमिका एवं संलिप्ता है जिसके लिये उच्चस्तरीय जांच की आवश्यकता है। इसलिए इस मामले पर उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही किया जाए।

भुवनेश्वर आग्रे को मिला राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान

रायपुर/मूक पत्रिका

रायपुर में आयोजित भारत के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़ा एक मात्र तथा देश का सबसे बड़ा नवाचारी शिक्षा समूह भारत छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय विद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों द्वारा निर्मित एवं संचालित स्व प्रेरित नवाचारी गतिविधियां समूह भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान सह राष्ट्रीय शैक्षणिक संप्रवाह 2025-26 का आयोजन 25 अप्रैल को रायपुर में स्वामी आत्मानंद प्रो. जे एन पाण्डेय शास उत्कृष्ट हिंदी माध्यम उच्च माध्य. विद्यालय में आयोजित किया गया। इसमें केशकाल विकास खण्ड से शिक्षक भुवनेश्वर प्रसाद आग्रे प्रा. शा. नयापारा सिंगनपुर को राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न से सम्मानित किया गया

कई चरणों के बाद हुआ सम्मान के लिए चयन -समूह प्रमुख संजीव सूर्यवंशी एवं जिला टीम ने बताया कि इस सर्वप्रथम इसके लिए समूह के आफिसियल वेबसाईट के माध्यम से निःशुल्क आनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया. पूरे देश से 700 अधिक से सहित छत्तीसगढ़ से 400 से ज्यादा नॉमिनेशन प्राप्त हुए. इन आवेदन की अच्छे से जांज कर, समूह के द्वारा गठित समिति द्वारा नामित शिक्षकों का साक्षात्कार लिया गया एवं उनके आवेदन फार्म से सर्बंधित से उनके कार्यो के प्रमाण में दस्तावेज मांगे गए थे।दस्तावेजों का उच्च चयन समिति द्वारा गहनता से परीक्षण किया गया. स्थानीय टीम के प्रमाणीकरण सहित आवश्कतानुसार क्रास इंटरव्यू के पश्चात चयन सूची जारी किया गया। जिसमे भुवनेश्वर आग्रे का चयन उनके द्वारा शिक्षा मे किये गए नवाचारी के लेखन एवं कला क्षेत्र के लिए किया गया। इस अवसर पर छ. ग.माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर के उपसचिव रघु सर, समग्र शिक्षा के उपसंचालक ए के सारस्वत सर, रायपुर जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती सर, डीएम सर अरुण कुमार शर्मा, एवं प्राचार्य सुचिता पाण्डे आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

साजा ब्लॉक क्षेत्र देवकर एवं अकलवारा में टी बी उन्मूलन हेतु निक्षय निरामय फेस 0.2 अंतर्गत शिविर का हुआ सफल आयोजन

100 दिवसीय टी बी मुक्त भारत अभियानः अत्याधुनिक एक्स-रे मशीन से 271 उच्चोखिम लोगों का किया गया टी बी स्क्रीनिंग

बेमेतरा/साजा/मूक पत्रिका

स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा में क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम तहत टीबी मुक्त बेमेतरा जिला बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत अत्याधुनिक एक्स-रे मशीन से उच्चोखिम लोगों का सभी विकासखण्ड में विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित कर टी बी स्क्रीनिंग किया जा रहा है साथ में टी बी मुक्त भारत अभियान की जानकारी, टी बी के लक्षण,उपचार,बचाव की संपूर्ण जानकारी उच्चोखिम लोगों को साझा किया जा रहा है। इसी क्रम में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान तहत 25 अप्रैल को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम जिला बेमेतरा द्वारा कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन के माध्यम से साजा विकासखण्ड के देवकर एवं अकलवारा में शिविर आयोजित कर उच्च जोखिम समूहों का पहचान किया गया इस उच्चजोखिम समूह से 271 लोगों का अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से निःशुल्क एक्स-रे किया गया, तथा 33 लोगों का जो संदेहास्पद था उनका स्पूटम अत्याधुनिक ट्रू - नाट मशीन से जांच हेतु सैंपल कलेक्शन कराया गया । इस टी बी मुक्त भारत अभियान शिविर में साजा विकासखण्ड के स्वास्थ्य विभाग से सभी स्टाफ मितानिन , द्वारा पूर्व से ही लोगों को टीबी मुक्त बेमेतरा जिला के अभियान की संपूर्ण जानकारी घर-घर सर्वे कर दी गई एवं जनजागरूकता अभियान भी चलाया गया । उक्त शिविर में बीएमओ साजा ,जिला कार्यक्रम समन्वयक, बी पी एम,एस टी एस,,द्वारा पूरी जिम्मेदारी से शिविर में सहभागिता निभाई गई ,साथ में जिला चिकित्सालय बेमेतरा से रेडियोग्राफर शेष नारायण टंडन द्वारा अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन ऑपरेट किया गया, ग्रामीण स्वास्थ संयोजक देवकर एवं अकलवारा उच्च जोखिम ग्राम मितानिन एवं ग्रामीण जन अधिक संख्या में उत्साहित होकर उपस्थित रहें,शिविर में स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा कार्यो का सफल क्रियान्वयन किया गया ।

सीईओ हरेश मंडावी ने कोयलीबेड़ा के सुदूर गांवों में विकास कार्यों का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ उत्तर बस्तर कांकेर 26 अप्रैल 2026 जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने विकासखंड कोयलीबेड़ा के सुदूर ग्रामों का दौरा कर शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं एवं विकास कार्यों का स्थल चिन्हांकन सहित अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्राम सरगी कोर्ट में मनरेगा के तहत निर्माणाधीन आजीविका डबरी का निरीक्षण करते हुए उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों को सब्जी उत्पादन, मछली पालन एवं बतख पालन जैसी आजीविका गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सरगी कोट से जुड़े चार गांवों के ब्रिज का निरीक्षण कर सेतु विभाग के अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर पुल चालू करने के निर्देश दिए।मावा मोदोल लाइब्रेरी के लिए माध्यमिक शाला कोयलीबेड़ा का चयन किया गया है। वर्तमान में भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए इसके मरम्मत एवं निर्माणहेतु एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने अटल डिजिटल सुविधा केंद्र एवं महतारी सदन का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं को सुधारने के निर्देश दिए। कन्या आश्रम के निरीक्षण के दौरान वहां विकसित किचन गार्डन की सराहना की गई। इसके अलावा प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक कन्या छात्रावासों का निरीक्षण करते हुए बाउंड्री वॉल एवं मरम्मत कार्यों के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोयलीबेड़ा को दिए गए। ग्राम माहला में पेयजल समस्या को गंभीरता से लेते हुए बोरवेल खनन का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्पेशल प्रोजेक्ट आवास के हितग्राहियों को 30 मई तक आवास पूर्ण करने हेतु कार्ययोजना बनाकर समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कोयलीबेड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में एक-एक बोरवेल स्वीकृति के लिए सहमति प्रदान की गई। निरीक्षण के दौरान जिला मिशन समन्वयक नवनीत पटेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोयलीबेड़ा उदय नाग, कार्यक्रम अधिकारी बाल किशन बंजारे, एसडीओ सीएल स्वर्णकार, तकनीकी सहायक, रोजगार सहायक एवं आवास मित्र उपस्थित रहे।

ग्राम रजौटी, कलिबा व कुरकुंगा में पशुओं की जांच, बैक्टीरियल रोग की रिपोर्ट नेगेटिव

जशपुरनगर/मूक पत्रिका

जिले में एक सप्ताह के भीतर 5 पशुओं की मौत एवं कई मवेशियों के बीमार होने की शिकायत मिलने के संबंध में उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं ने जानकारी देते हुए बताया कि पशु चिकित्सा विभाग जशपुर की टीम के द्वारा 17 अप्रैल को ग्राम रजौटी, कलिबा एवं कुरकुंगा का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया गया। गठित जांच दल ने पशुपालकों से मुलाकात कर बीमार पशुओं की जानकारी एकत्र की तथा प्रभावित ग्रामों से रक्त पट्टी के नमूने लेकर जिला पशु रोग अन्वेषण प्रयोगशाला, जशपुर में परीक्षण कराया गया। जांच में बैक्टीरियल रोग की रिपोर्ट नेगेटिव पाई गई। इसके अलावा राज्य स्तरीय पशु रोग अन्वेषण प्रयोगशाला में भेजे गए नमूनों की रिपोर्ट भी नेगेटिव प्राप्त हुई है। अब अतिरिक्त पुष्टि के लिए रक्त नमूने RTPCR जांच हेतु WRDDL Pune भेजे जा रहे हैं। टीम द्वारा बीमार पशुओं का लगातार उपचार किया गया, जिससे ग्राम रजौटी के 01 एवं कलिबा के 01 प्रभावित पशु अब स्वस्थ हो चुके हैं। साथ ही सभी प्रभावित गांवों में रोग प्रतिबंधात्मक टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक 129 पशुपालकों के 549 पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है, जिसमें हाल ही में 73 पशुपालकों के 450 पशु शामिल हैं। पशुपालकों को जागरूक करते हुए बताया गया है कि पशुओं में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी पशु चिकित्सालय, औषधालय या मोबाइल वेटनरी यूनिट के टोल-फ्री नंबर 1962 पर सूचना दें। वर्तमान में ग्राम पंचायत कलिबा एवं रजौटी में किसी भी पशु के बीमार होने की सूचना नहीं है। संबंधित सरपंचों द्वारा भी प्रमाणित किया गया है कि सभी पशु स्वस्थ हैं और टीकाकरण कार्य किया गया है। उप संचालक ने बताया कि बीमार पशुधन चिकित्सा उपरांत स्वस्थ हैं, पिछले तीन दिनों में किसी भी पशु की मृत्यु की सूचना नहीं मिली है तथा स्थिति नियंत्रण में है।

प्राचार्य मोहन लाल कश्यप को सेवानिवृति पर दी गई विदाई

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

अकलतरा द्वशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटनई के प्राचार्य मोहन लाल कश्यप को सेवानिवृत्त होने पर शालेय परिवार कटनई के द्वारा भावभीनी विदाई दिया गया। इस अवसर पर प्राचार्य ने कहा कि शाला एवं समस्त स्टॉप परिवार की तरह हैं विद्यार्थियों एवं देश की निर्माण में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है शिक्षकों को अपने दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी के साथ बच्चों को अच्छी शिक्षा व संस्कार देने के साथ अच्छे नागरिक बनाने के लिए करना चाहिए शिक्षकों के गुणों को बच्चे धारण करते हैं इस अवसर पर संस्था के वर्तमान प्राचार्य टी आर कश्यप नेतृत्व में विदाई समारोह सम्पन्न हुआ उन्होंने भी सम्बोधन कर सभी को सेवानिवृति प्राचार्य को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान किया इस कार्यक्रम में शाला विकाश समिति सदस्य चंद्रिका कुमार कश्यप, नरेश राम कश्यप, के एल साहू एवं सभी शिक्षक, कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम प्रभारी कुमारी पदमा पटेल और पुष्पा यूइके ने किया, अशोक कश्यप लेखापाल, शिक्षक गयाराम पाटले, अनिल इंगले कार्यक्रम में विशेष व्यवस्थापक रहे।आभार राकेश कुमार मार्बल के द्वारा किया गया।

पण्डो परिवार का लुट गया आशियाना: घर में रखें 10 बोरी धान, 8 बोरी गेहूं 5 बोरी सरसों जलकर खाख

रामानुजगंज/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत चूना पाथर निवासी पुरन लाल पण्डो के घर में रात करीब 11 बजे के लगभग आग लग गई। जिसके कारण अन्य अनाज जलकर राख हो गई उक्त घटना के बाद परिवार सदमे में है। ग्रामीण सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिस समय आग लगी उस समय पूरनलाल पण्डो और उसका परिवार घर के अंदर सो रहा था। जब आग पूरे घर में फैल गई और उनके बिस्तर पर अंगारे गिरने लगे तब पूरन लाल की पत्नी रजवंती पण्डो ने अपने पति को जगाया। तत्पश्चात मदद मांगने की इच्छा से शोर मचाना शुरू किया इतने में गांव वाले इकट्ठे हुए और तत्काल परिवार के सदस्यों और बच्चों को किसी तरह सुरक्षित बाहर निकाला गया लेकिन इतने ही देर में सारा घर जल चुका था।

ग्रामीणों ने बताया कि पुरनलाल पण्डो के घर में उनकी पत्नी,बहन और भाई सहित कुल पांच सदस्य रहते थे। उनके पिता का निधन पहले ही हो चुका था और उन्होंने यह घर बड़ी मुश्किल से बनाया था। आग लगने से उनका पूरा परिवार बेघर हो गया है। इस घटना में घर में रखा लगभग 10 बोरी धान,8 बोरी गेहूं और 4-5 बोरी सरसों भी जलकर राख हो गया है। वहीं आग लगने के कारणों के बारे में फिलहाल कोई खास जानकारी नहीं मिल पाई है। लेकिन प्रारंभिक तौर पर यह बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की संभावना व्यक्त की जा रही है। अब तो प्रशासन के जांच के बाद ही क्लियर हो पाएगा कि वास्तविक स्थिति क्या है और किन कारणों से आग लगी थी।

जल संरक्षण संवर्धन के कुनकुरी में सार्थक प्रयास शुरू

जशपुरनगर/मूक पत्रिका

जल संरक्षण और संवर्धन बढ़ावा देने के लिए जल संचय जन भागीदारी के तहत जनपद पंचायत कुनकुरी के ग्राम पंचायत घाट मुंडा में सरपंच निशा केरकेट्टा के नेतृत्व में सैकड़ो ग्रामीणों ने जल संचय का शपथ लेते हुए श्रमदान से नाला में बोरी बंधान कार्य किया गया साथ ही रेन हार्वेस्टिंग का भी निर्माण किया जा रहा है। निशा ने बताया कि ग्राम पंचायत में 50 5: मॉडल के तहत निर्माण कराया जाएगा और हैंडपंप में जहां स्वच्छता गड्ढा पूर्व से बना है उसकी मरम्मत किया जाएगी नवीन सोख्ता गड्ढा भी बनाया जाएगा इसके साथ ही जल संरक्षण के लिए सभी सार्थक प्रयास किए जाएंगे।

महुआ बिनने गई महिला की करंट से झुलसी हुई लाश बरामद

रामानुजगंज/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत नवाडीह में एक महिला की करंट लगने से मौत हो गई। महिला का झुलसा हुआ शव जंगल किनारे मोरनियापारा स्थित कोड़ाकू समाज की बस्ती के पास मिला है। ग्रामीण मृतक महिला की पहचान लगभग 50 वर्षीय सुकेशी कोड़ाकू के रूप में हुई है,जो मोहल्ले के निवासी रामसाय कोड़ाकू की पत्नी बताई जा रही है। सुकेशी भोर में लगभग 5 बजे महुआ बीनने के लिए घर से निकली थीं। सुबह उनका झुलसा हुआ शव बरामद हुआ। घटना की सूचना मिलते ही त्रिकुंडा थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची। और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया महिला की मौत हाई वोल्टेज करंट लगने से हुई प्रतीत हो रही है। आशंका जताई जा रही है कि जंगली जानवरों या सूअरों का शिकार करने के लिए अवैध रूप से नंगे तार बिछाए गए होंगे,जिनकी चपेट में आने से यह हादसा हुआ। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि घटना के बाद तारों को हटाया गया था या नहीं। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे तथ्य सामने आ पाएंगे।

पत्थलगांव स्थानीय प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने निकाली भव्य बाईक रैली

- पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेंद सिंह ने सभी को वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट लगाने की अपील

जशपुरनगर/मूक पत्रिका

लोगों हेलमेट और सीट बेल्ट के नियमित उपयोग करने के लिए बाइक रैली में सैकड़ों लोगों ने हेलमेट पहनकर दिया जागरूकता का संदेश सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत पत्थलगांव शहर में एक भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में स्थानीय प्रशासन, पुलिस विभाग, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। सैकड़ों महिला-पुरुष हेलमेट पहनकर शहर के तीनों प्रमुख मार्गों पर बाइक रैली निकालते हुए लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। इस दौरान डीआईजी जशपुर एसपी लाल उम्मेद सिंह, डीएसपी ट्रैफि क के.आर. चौहान, यातायात प्रभारी उप निरीक्षक खोमराज ठाकुर, जिला परिवहन अधिकारी विजय निकुंज, एसडीएम रितु राज सिंह बिसेन, तहसीलदार जयश्री राजन, तहसीलदार भीष्म पटेल, जनपद सीईओ हरजीत सिंह भाटिया, एसडीओपी डॉ. ध्रुवेश जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष संगीता सुदर्शन सिंह, टीआई विनीत पांडे, टीआई अशोक शर्मा, सरपंच शशिकांता, विजय त्रिपाठी और पत्थलगांव के पत्रकार सहित समस्त पुलिसकर्मी, यातायात कर्मी, शासकीय कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए मैरिज गार्डन पहुंचकर समाप्त हुई। यहां नगर पालिका अध्यक्ष संगीता सुदर्शन सिंह ने सभी उपस्थित लोगों को यातायात नियमों का पालन करने और हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर एसएसपी लाल उम्मेद सिंह ने कहा कि ÷सर सलामत रहे तो जीवन है, इसलिए हेलमेट केवल दिखावे के लिए नहीं बल्कि ठीक से बांधकर पहनें।

नशे की हालत में वाहन चलाना दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बन रहा है। उन्होंने बताया कि जशपुर जिले में वर्ष 2025 में 79 तथा 2026 में अब तक 82 लोग सड़क दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं।

सायरन की गूंज, कानून खामोश : चलगली में शादी के नाम पर धौंस, कार्रवाई की जगह बधाई

रामानुजगंज/मूक पत्रिका

कानून की सख्ती का दावा करने वाली व्यवस्था के बीच चलगली थाना क्षेत्र से एक ऐसा मामला सामने आया है,जिसने पुलिस की भूमिका पर सीधे सवाल खड़े कर दिए हैं। शादी समारोह में गाड़ियों पर सायरन बजाकर शक्ति प्रदर्शन किया गया,और इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। बारात में शामिल कुछ लोगों ने खुलेआम सायरन का इस्तेमाल किया।

गांव में यह दृश्य सिर्फ शोर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोगों के बीच असहजता और डर का कारण बना। यह वह स्थिति है,जहां कानून स्पष्ट रूप से इसे दंडनीय मानता है,लेकिन मौके पर कार्रवाई नजर नहीं आई। घटना के काफी समय बाद भी स्थानीय पुलिस की मौजूदगी नहीं दिखी। शिकायत जब जिला स्तर तक पहुंची,तब हरकत हुई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश के बाद थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे, लेकिन वहां जो हुआ, उसने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मौके पर पहुंचे अधिकारी ने सख्ती दिखाने के बजाय नरम रुख अपनाया। कार्रवाई की उम्मीद कर रहे लोगों के सामने ही उन्होंने वर-वधु को हाथ जोड़कर बधाई दी और बिना किसी ठोस कदम के लौट गए। यह दृश्य अब सवाल बनकर खड़ा है–क्या कानून का पालन कराने वाली संस्था खुद ही उसे हल्का कर रही है? सायरन का दुरुपयोग सिर्फ नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि आम लोगों के बीच भय और प्रभाव का माहौल बनाने का तरीका भी माना जाता है।

ऐसे में जब जिम्मेदार अधिकारी ही इस पर चुप नजर आएं,तो व्यवस्था की विश्वसनीयता पर असर पड़ना तय है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी साफ है। सोशल मीडिया पर भी यह सवाल लगातार उठ रहा है कि क्या प्रभावशाली लोगों के सामने कानून की धार कमजोर पड़ जाती है। अब नजर इस बात पर है कि क्या इस मामले में वास्तविक कार्रवाई होती है या यह भी वायरल वीडियो तक ही सीमित रह जाएगा।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण में 350 प्रतिभागी हुए शामिल, युवा पीढ़ी को मूल पहचान से जोड़ने की अपील

कोया पुनेम कार्यशाला का समापन, परंपरा-संस्कृति और संवैधानिक जागरूकता पर जोर

बीजापुर/मूक पत्रिका

मुसालूर चौक स्थित गोंडवाना भवन में आयोजित पांच दिवसीय कोया पुनेम संवैधानिक कार्यशाला का रविवार को समापन हुआ। 22 अप्रैल से 26 अप्रैल तक आयोजित इस कार्यशाला में जिले भर से करीब 350 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी समाज की पारंपरिक आस्था, संस्कृति और जीवन दर्शन को समझने के साथ-साथ युवाओं को अपनी मूल पहचान से जोड़ना रहा।कार्यशाला के दौरान केबीकेएस (कोया बूमकाल क्रांति सेना) कांकेर के प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को पारंपरिक सामाजिक संरचना, प्रकृति आधारित जीवन शैली, संगठनात्मक व्यवस्था और सामुदायिक जीवन मूल्यों की जानकारी दी। प्रशिक्षण में पारंपरिक त्योहारों, बोली-भाषा, सामाजिक रीति-रिवाजों और समुदाय आधारित निर्णय प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही पेसा कानून, रूढ़िजन्य पारंपरिक ग्राम सभा की भूमिका तथा संवैधानिक अधिकारों को लेकर भी प्रतिभागियों को जागरूक किया गया। गोंडवाना समन्वय समिति के बीजापुर जिला अध्यक्ष अमित कोरसा ने कहा कि कोया पुनेम आदिवासी समाज की संपूर्ण जीवन पद्धति है, जिसमें प्रकृति संरक्षण, सामूहिकता, समानता और पारंपरिक न्याय व्यवस्था जैसे मूल तत्व शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बदलते समय में युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ना जरूरी है, ताकि सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रह सके। समापन कार्यक्रम में बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि पांच दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों ने अनुशासन और सीखने की जो भावना दिखाई है, वह समाज को नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में कोया पुनेम, संवैधानिक जागरूकता, रोजगार के अवसर, जल-जंगल-जमीन और पेसा कानून को लेकर जागरूकता आवश्यक है। इस प्रशिक्षण का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने आयोजन समिति से जनप्रतिनिधियों के लिए भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। पांच दिवसीय प्रशिक्षण में अश्विनी कांगे, नारायण मरकाम, संदीप सलाम, जगत मरकाम, विष्णु देव पदा, धन्नू सलाम, ललित होड़ी, तुलसी ठाकुर और अंबिका कचलामे ने प्रशिक्षण दिया। वहीं कुमारी मावली बस्तर बूमकाल दल ने लोकगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभागियों को परंपरागत मूल्यों से अवगत कराया।समापन अवसर पर सर्व आदिवासी समाज अध्यक्ष जग्गूराम तेलामी, अशोक तालांडी, धीरज राना, तुलसी मांडवी, कामेश्वर दुब्बा, कुंवर सिंह मज्जी, लालू राठौर, नरेंद्र बुरका, वाल्वा मदनैया, मरपल्ली किस्टैया, कमलेश पैंकरा, शिव पुनेम, बी. नागेश, वीरैया धुर्वा, जितेंद्र कुमार वट्टी, पांडुराम तेलाम सहित बस्तर संभाग के सामाजिक पदाधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

होर्मुज संकट और युद्ध ,दुनिया को महंगाई और ऊर्जा संकट में धकेल देगा

पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत भी हुई, मगर वह आखिर विफल रही। अब वैश्विक स्तर पर यह उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को खत्म करने के लिए फिर से बातचीत आगे बढ़े।ईरान पर अमेरिका और इजराइल के साझा हमले के बाद करीब एक पखवाड़े पहले बहुत मुश्किल से दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी थी। फिर दोनों पक्षों के बीच बातचीत की शुरुआत से यह उम्मीद जगी कि वे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने पर राजी हो जाएंगे। मगर आज युद्धविराम की अवधि पूरी होने के बाद भी जैसे हालात दिख रहे हैं, उसमें ईरान और अमेरिका के तेवर समाधान की संभावना के सामने एक बड़ी चुनौती हैं।दूसरी ओर, इस युद्ध के नतीजे में उपजी विकट और जटिल होती परिस्थितियों के बीच ये सवाल उठने लगे हैं कि आखिर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध का हासिल क्या होगा और उसका खमियाजा दुनिया के कितने देशों को कब तक भुगतना पड़ेगा। खासतौर पर होर्मुज जलमार्ग को बाधित किए जाने के बाद बहुत सारे देशों में जिस तरह प्राकृतिक गैस और तेल का जैसा संकट खड़ा हो गया है, उसे देखते हुए स्वाभाविक ही यह मांग उठने लगी है कि अमेरिका और ईरान का रुख चाहे जो हो, उन्हें वैश्विक हित में खुद को नरम करना चाहिए और किसी भी तरह से युद्ध खत्म हो।यह छिपा नहीं है कि इजराइल और अमेरिका के हमले की प्रतिक्रिया में ईरान ने जब होर्मुज जलमार्ग को रोक दिया, तब से भारत सहित दुनिया के कई देशों में प्राकृतिक गैस और तेल की आपूर्ति व्यापक पैमाने पर बाधित हुई है और वहां का जनजीवन बुरी तरह बाधित हुआ है। ये देश युद्ध में शामिल नहीं हैं, लेकिन उसकी मार से पीड़ित हैं।दरअसल, होर्मुज जलमार्ग के जरिए दुनिया के अलग-अलग देशों में बीस फीसद से ज्यादा ऊर्जा की आपूर्ति होती है। मगर जब से इस मार्ग को बाधित किया गया है, लगभग सभी प्रभावित देशों में लोग न केवल रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल के संकट का सामना कर रहे हैं, बल्कि रोजमर्रा की जरूरतों के सभी सामान के महंगे होने का दंश भी झेल रहे हैं। इस बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत भी हुई, मगर वह आखिर विफल रही। अब वैश्विक स्तर पर यह उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को खत्म करने के लिए फिर से बातचीत आगे बढ़े।अफसोस की बात यह है कि एक ओर अमेरिकी नौसेना की ओर से ईरानी जहाज जब्त करने से लेकर युद्धविराम खत्म होने के बाद ईरान पर ढेरो बम गिराने के ट्रंप की धमकी सामने आ रही है, तो दूसरी ओर अमेरिकी हरकतों को युद्धविराम का उल्लंघन बताते हुए ईरान ने भी वार्ता के अगले दौर में हिस्सा लेने को लेकर अनिच्छा जाहिर की है। सवाल यह है कि युद्धविराम पर सहमत होने के बावजूद अमेरिका की ओर से ऐसे आक्रामक बयान क्यों जारी किए जा रहे हैं और कूटनीतिक स्तर पर बातचीत को आगे बढ़ाने के प्रति गंभीरता क्यों नहीं दिखाई जा रही है।इस तरह के तीखे तेवरों का हासिल यह सामने आ रहा है कि रविवार को भी कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया। इसके अलावा भी ईरान सहित खाड़ी देशों के तेल ठिकानों पर जिस पैमाने के हमले हुए हैं, उनका असर वैश्विक तेल कीमतों पर पड़ना तय है। इससे ज्यादा त्रासद यह है कि इस सबका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालिक असर पड़ेगा, जिससे उबरना सभी देशों के लिए चुनौती साबित हो सकता है। एक तरह से स्पष्ट और दूरगामी विपरीत प्रभाव की आशंका के बावजूद युद्ध की स्थिति को बनाए रखने का क्या औचित्य है?

सियासत में उलझी महिला भागीदारी, भंवर में 'नारी शक्ति'

भारतीय स्त्री का बिंब जो जीवन के यथार्थ से लेकर साहित्य में चित्रित होता रहा है, उसमें शक्ति के पूजन से लेकर मुक्तिवाहिनी तक की तस्वीर उभरती है। बदलते भारत में महिला, उसकी योग्यता और शक्ति एक बिल्कुल अलग वजूद रखती है, मगर उसे पुरुष वर्चस्ववादी समाज में आज भी समान अधिकार के साथ जगह नहीं मिल पाई है। महिलाओं ने जीवन के हर क्षेत्र में अपने आप को सिद्ध किया है, फिर भी पूर्वाग्रह से ग्रसित दृष्टि उन्हें पुरुषों के बराबर खड़ा होने में कई तरह की रुकावटें पैदा करती है। महिलाओं के अपहरण, बलात्कार और घरेलू हिंसा की घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं।

(सुरेश सेठ)

यह भारतीय राजनीतिक की एक अजब विसंगति रही है कि स्थानीय निकायों के चुनावों में तो महिलाओं को आरक्षण का अधिकार वर्षों पहले मिल गया था, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका यह हक आज भी सियासत के दांवपेच में फंसा हुआ है, जिस कारण देश की राजनीति में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है।

भारतीय स्त्री का बिंब जो जीवन के यथार्थ से लेकर साहित्य में चित्रित होता रहा है, उसमें शक्ति के पूजन से लेकर मुक्तिवाहिनी तक की तस्वीर उभरती है। बदलते भारत में महिला, उसकी योग्यता और शक्ति एक बिल्कुल अलग वजूद रखती है, मगर उसे पुरुष वर्चस्ववादी समाज में आज भी समान अधिकार के साथ जगह नहीं मिल पाई है। महिलाओं ने जीवन के हर क्षेत्र में अपने आप को सिद्ध किया है, फिर भी पूर्वाग्रह से ग्रसित दृष्टि उन्हें पुरुषों के बराबर खड़ा होने में कई तरह की रुकावटें पैदा करती है। महिलाओं के अपहरण, बलात्कार और घरेलू हिंसा की घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं।

विभिन्न सर्वेक्षणों से पता चलता है कि अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों से गायब होने वाले बच्चों में लड़कों के बजाय लड़कियों की संख्या अधिक है, क्योंकि बाद में उन्हें देह व्यापार में धकेल दिया जाता है। देश में हाल के वर्षों में स्त्री को उसका हक देने की बातें विभिन्न स्तरों पर जोर-शोर से की जा रही हैं। कहा जाता है कि महिलाओं ने शिक्षा के क्षेत्र से लेकर खेल के मैदान और प्रशासनिक व्यवस्था में अपनी योग्यता का लोहा मनवाया है, इसके बावजूद अधिकारों के मामले में ये आज भी पिछड़ी हुई हैं। प्रशस्ति और उपेक्षा का यह एक अजब संगम कई सवाल खड़े करता है।

हाल ही में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया गया। इस विधेयक में विधायिका में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण और परिसीमन के जरिए लोकसभा में सदस्यों की संख्या बढ़ाने का प्रावधान किया गया है। मगर इस विधेयक को सदन का जरूरी दो तिहाई बहुमत नहीं मिल पाने से यह पारित नहीं हो पाया। इसके लिए अब सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, लेकिन असल में हुआ वही, जो पहले से होता आया है।

महिलाओं को विधायिका में आरक्षण से संबंधित नारी शक्ति वंदन अधिनियम वर्ष 2023 में संसद में पारित किया गया था, तब से लेकर वह लागू होने की बाट

जोह रहा था। यानी राजनीति में महिलाओं को उचित भागीदारी देने का अधिकार खुद सियासत में ही उलझकर रह गया है। जब संसद में पहली बार यह विधेयक पेश किया गया था, तो इसे एक ऐसा असाधारण और प्रगतिशील कदम माना जा रहा था, जिसके जरिए सदियों से की जा रही महिलाओं की उपेक्षा को खत्म करने की राह खुल जाती। हालांकि तब यह विधेयक संसद में पारित भी हो गया, लेकिन अब करीब तीन वर्ष बाद इसे संशोधित रूप में पेश किया गया, जिसका हासिल शून्य रहा।

सत्तापक्ष की ओर से कहा जा रहा है कि अगर नई जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन आयोग की रपट का इंतजार किया जाता, तो वर्ष 2029 में अगले लोकसभा चुनाव में महिलाओं के लिए तैंतीस फीसदी आरक्षण का प्रावधान लागू कर पाना संभव नहीं था, इसलिए सरकार की ओर से संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 लाया गया। मगर विपक्ष के अपने सवाल और आपत्तियां हैं, जिन पर आगे भी बहस जारी रहेगी। लेकिन असल मुद्दा यह है कि वर्तमान में देश के कुल मतदाताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग आधी है और इस लिहाज से जब तक विधायिका में उनकी भागीदारी नहीं बढ़ाई जाती है, तब तक राष्ट्र के समावेशी विकास का संकल्प भी अधूरा ही रहेगा।

यह भारतीय राजनीतिक की एक अजब विसंगति रही है कि स्थानीय निकायों के चुनावों में तो महिलाओं को आरक्षण का अधिकार वर्षों पहले मिल गया था, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका यह हक आज भी सियासत के दांवपेच में फंसा हुआ है, जिस कारण देश की राजनीति में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है।

यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि क्या महिलाओं के लिए सिर्फ विधायिका और स्थानीय निकायों में आरक्षण का प्रावधान किए जाने से राष्ट्र के निर्माण में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित हो पाएगी? क्या शिक्षा एवं स्वास्थ्य से लेकर प्रशासनिक ढांचे तक में महिलाओं के लिए पर्याप्त अवसर सृजित किए जाने की जरूरत नहीं है? उच्च शिक्षा के मामले में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की औसत दर आज भी बहुत कम है। इसी तरह सरकारी महकमों में भी महिला कर्मियों की संख्या पुरुषों की तुलना में बेहद कम है। विभिन्न सर्वेक्षणों और अध्ययनों से पता चलता है कि महिलाओं के काम करने के अवसरों में अपेक्षाकृत वृद्धि नहीं हुई है। कोरोनाकाल के दौरान नौकरी छिन जाने पर शहरों से गांवों की ओर लौटे पुरुषों को तो पुनः नौकरियां देने का अभियान चलाया गया, लेकिन महिलाएं इस मामले में भी पीछे रह गईं।

यह भी सच है कि घर के कामकाज से लेकर खेती में अहम भूमिका निभाने वाली महिलाओं के श्रम की कहीं गिनती ही नहीं हो पाती है। शहरों में लघु एवं कुटीर उद्योगों से लेकर बड़े उद्योगों में काम करने वाली महिलाओं को आज भी पुरुषों के मुकाबले कम वेतन मिलता है और उन्हें अहम जिम्मेदारियों का काम देने से भी परहेज किया जाता है। इस तरह के पक्षपात को क्या महिलाओं के लिए अवसर के रूप में देखा जा सकता है। यहां तक कि सेना में भी नारी शक्ति को कम करके आंका जाता रहा है और उनके लिए स्थायी कमीशन से लेकर पदोन्नति के रास्ते भी अब जाकर खुले हैं। नारी शक्ति अगर यह मांग करती है कि युद्ध के अग्रिम दस्तों में उनके बल का इस्तेमाल भी उसी तरह होना चाहिए जैसे पुरुषों का होता है, तो इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

हालांकि, इसमें दोराय नहीं कि अगर स्थानीय निकायों की तर्ज पर विधायिका में भी महिलाओं को तैंतीस फीसदी आरक्षण की व्यवस्था लागू हो जाती है, तो यह महिला समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। मगर, यह तभी संभव होगा, जब सभी दल अपनी राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर समाज के समावेशी उत्थान के लिए काम करेंगे। इससे महिलाओं में न केवल बढ़चढ़ कर मतदान करने का उत्साह पैदा होगा, बल्कि देश की विधानसभाओं और संसद में भी ये अपनी योग्यता और कौशल का योगदान दे सकेंगी।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो, राज्य या केंद्रीय मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी नाममात्र की है। मगर, जब महिलाएं अपने लिए आरक्षित सीटों पर चयनित होकर आगे आएंगी, तो अवश्य ही देश की राजनीति का चेहरा बदलेगा। अभी महिलाओं से जुड़े कई ऐसे मसले हैं, जिन्हें संसद और विधानसभाओं में आवाज ही नहीं मिल पाती है, और अगर कोई मसला उठाया भी जाता है, तो महिला प्रतिनिधियों की संख्या कम होने की वजह से वह शोर-शराबे में दब जाता है। इसलिए जरूरी है कि राजनीति के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण के अन्य कार्यों में भी महिलाओं की उचित भागीदारी को प्राथमिकता दी जाए, ताकि उन्हें ये अधिकार मिल सकें, जिसकी वे हकदार हैं। सिर्फ घोषणाओं और नारों से महिला सशक्तीकरण नहीं होगा, बल्कि जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिए उन्हें पूरी तरह लागू करने की हर मोर्चे पर इच्छाशक्ति दिखानी होगी।

संस्कृत को लोकप्रिय बनाने हेतु संघ प्रमुख के महत्वपूर्ण सुझाव

कृष्णमोहन झा/

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त पर नई दिल्ली में संघ के आनुषंगिक संगठन संस्कृत भारती के भव्य कार्यालय प्रणव के लोकार्पण समारोह में दिए गए सारगर्भित उदबोधन में संस्कृत भाषा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उसे लोकप्रिय भाषा बनाने के लिए जो सुझाव दिए हैं उन पर न केवल व्यापक विमर्श होना चाहिए बल्कि उन पर अमल की दिशा में गंभीर प्रयास किये जाना चाहिए। संघ प्रमुख ने अक्षय तृतीया की पावन तिथि पर प्रणव के लोकार्पण को शुभ संकेत निरूपित करते हुए कहा कि प्रणव सृष्टि के मूल नाद का प्रतीक है और इस नाम से शुरू हुए इस अभियान की सफलता सुनिश्चित है।संघ प्रमुख ने संस्कृत भाषा को भारत का प्राण बताते हुए कहा कि यह केवल एक भाषा नहीं अपितु भारत का प्राण है। भारत को समझने के लिए संस्कृत को समझना अनिवार्य है क्योंकि इसी में हमारी ज्ञान परंपरा, दर्शन और जीवन मूल्य निहित हैं। यह हमारे विचारों, संस्कृति और ज्ञान का वह सार है जिसे पूरी दुनिया को देने की आवश्यकता है।

संघ प्रमुख ने कहा कि संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं को जोड़ने वाली वह कड़ी है जिसके माध्यम से अन्य भाषाओं को भी सहजता से सीखा जा सकता है।संस्कृत में निहित ज्ञान विज्ञान का व्यापक भंडार संपूर्ण मानवता के लिए उपयोगी है। किसी भी कार्य में केवल रुचि नहीं अपितु उसके उद्देश्य की स्पष्ट समझ, धैर्य और निरंतरता आवश्यक है। संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के लिए वैसे ही धैर्य और निरंतरता पर बल देते हुए मोहन भागवत ने कहा कि संस्कृत भाषा को दैनिक बोलचाल का माध्यम बना कर आसानी से सीखा जा सकता है। संस्कृत संभाषण शिविर इस दिशा में बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं और इन के माध्यम से अल्प समय में संस्कृत का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। संस्कृत को उसका प्राचीन गौरव दिलाने के लिए इसे लोकभाषा बनाने की आवश्यकता है। संस्कृत भारती का कार्य सभी भाषाओं को साथ लेकर चलने का है। संस्कृत के माध्यम से अन्य भारतीय भाषाएँ और समृद्ध होंगी और समाज में सांस्कृतिक एकात्मता का भाव विकसित होगा।

इस अवसर पर अपने बधाई संदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर प्रणव कार्यालय का लोकार्पण अत्यंत हर्ष का विषय है। प्रणव कार्यालय की स्थापना को भारतीय ज्ञान परंपरा ,संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना के पुनर्जागरण की दिशा में प्रेरणा कदम बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि संस्कृत हमारी प्राचीन और समृद्ध विरासत की संवाहिका है जिसमें निहित ज्ञान विज्ञान और दर्शन मानवता की अमूल्य धरोहर हैं। नयी शिक्षा नीति में भारतीय भाषा और ज्ञान परंपरा को विशेष महत्व दिया गया है जिससे संस्कृत के संरक्षण और संवर्धन को नयी दिशा मिली है।संस्कृत न केवल अतीत की बल्कि वर्तमान और भविष्य की भी सशक्त भाषा है और इस दिशा में प्रणव कार्यालय महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

संस्कृत भारती कार्यालय प्रणव के लोकार्पण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी सहित अनेक विद्वानों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही ।

ज्ञातव्य है कि संस्कृत भारती की स्थापना 1981 में संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से कुछ छात्रों ने मिलकर की थी। उनके इस प्रयास ने आगे चलकर व्यापक संस्कृत आंदोलन का रूप ले लिया। आज यह आंदोलन 28 देशों और भारत के 660 जिलों में फैल चुका है। 50000 वर्गफुट क्षेत्र में फैले संस्कृत भारती के परिसर में प्राचीन परंपरा और आधुनिक सुविधाओं के दर्शन एक साथ किए जा सकते हैं। संस्कृत भारती का लक्ष्य देश की 10 प्रतिशत आबादी तक संस्कृत पहुँचाने और 12 भाषाओं के माध्यम से शिक्षण कार्य को गति प्रदान करना है। संस्कृत भारती में वास्तु , शिल्प, वनस्पति और धर्म शास्त्र के विद्वान मार्ग दर्शन के लिए उपलब्ध रहेंगे।9कृष्णमोहन झा(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता- सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है।

(ललित गर्ग)

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रायगढ़ के पचधारी डैम में सभी लगा रहे डुबकी :प्रतिबंधित क्षेत्र होने के बाद भी नहीं मान रहे लोग, पहले भी हो चुकी है कई मौते

रायगढ़ /मूक पत्रिका

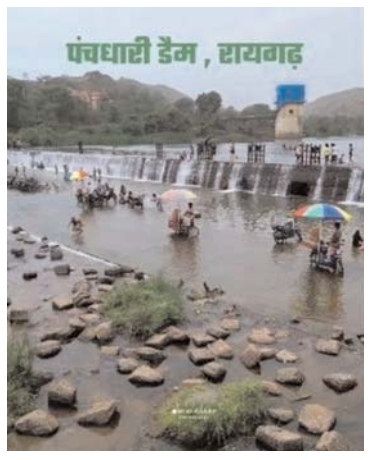

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में गर्मी बढ़ते ही अब लोग पचधारी डैम तक पहुंच रहे हैं। यहां छोटे बच्चों से लेकर युवा और महिलाएं भी डुबकी लगा रहे हैं। जबकि स्टाप डैम में नहाना प्रतिबंधित है और यहां सुरक्षा के कोई उपाए भी नहीं है। इसके बाद भी प्रशासन इस पर कार्रवाई नहीं कर रहा है।पचधारी डैम में सबसे अधिक भीड़ रविवार को देखी जा रही है। आज भी कुछ इसी तरह का नजारा था। यहां सुबह से युवक-युवती, बच्चे, महिलाएं सभी नहाने के लिए पहुंचने लगे थे।दोपहर तक डैम में अच्छी खासी भीड़ हो चुकी थी। हर कोई गर्मी से राहत पाने पानी का मजा ले रहा था। इस दौरान किसी को यह याद नहीं रहा कि यह प्रतिबंधित क्षेत्र है।जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा स्टाप डैम के पास प्रतिबंधित क्षेत्र का बोर्ड भी लगाया गया, लेकिन उसे नजरअंदाज करते हुए लोग यहां नहाने पहुंच रहे हैं और संबंधित अधिकारियों के द्वारा इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।गहराई की ओर लगा रहे छलांग डैम के एक ओर गहराई है और लोग उस ओर पानी का आनंद उठाने के लिए छलांग लगा रहे हैं। ऐसे में कई बार यहां गहराई का अंदाजा नहीं हो पाता है और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। कई बार शराब के नशे में भी युवक इस ओर पहुंचकर डुबकी लगा रहे हैं।हो चुकी है घटनाएं पचधारी डैम में हर साल किसी न किसी तरह की घटनाएं देखने को मिलती है। जहां पिछले माह 25 मार्च को विनोबा नगर क्षेत्र में रहने वाली दो सगी बहनों की मौत पानी में डूबने से मौत हो गई थी।वहीं 16 मार्च को पचधारी डैम नहाने गए युवक के साथ चाकूबाजी की घटना हुई। करीब दो साल पहले भी संजय नगर क्षेत्र का एक बालक अपने दोस्तों के साथ पिकनिक गया था, जिसकी डैम में डूबने से कई मौते हो चुकी है 12 मार्च 2026 को दोस्तों के साथ नहाने गए युवक की गहरे पानी मे डूबने से मौत हो गई इस तरह डैम क्षेत्र में हर साल ऐसी घटनाएं हो रही हैं। क्या कहते है ह्यस्त्रद्ध - कार्रवाई की जाएगी स्ठ्ठरू ने बताया कि जब पचधारी डैम में स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित क्षेत्र का बोर्ड लगा हुआ है, तो लोगों को समझने की भी जरूरत है। डैम में नहाने पर प्रतिबंध है और अगर कोई ऐसा करते पाया जाता है, तो कार्रवाई की जाएगी। यहां शराब का सेवन करने वालों पर भी कोतवाली पुलिस को कार्रवाई करने कहा गया है।

धरमजयगढ़ में शरणार्थियों की जमीन हड़पने वाले जाएंगे जेल, कलेक्टर ने सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

रायगढ़ /मूक पत्रिका

धरमजयगढ़ में बंगाली शरणार्थियों को बसाने के लिए सरकार ने जमीनें दी थीं। कई परिवार वापस अपने मूल स्थान चले गए तो कुछ की मृत्यु हो गई। ऐसी जमीनों को चिन्हांकित कर महादेव बैरागी नामक व्यक्ति ने अपना नाम चढ़ा लिया। आज उसके परिवार के नाम पर करीब 40 एकड़ आवंटित भूमि है। केलो प्रवाह ने मामले का खुलासा किया जिसके बाद कलेक्टर ने सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। एक बार जांच रिपोर्ट भेजी गई थी जिसे और पुख्ता करने के लिए कहा है ताकि धोखाधड़ी करने वाला न बच सके। रायगढ़ में जमीन घोटालों पर कार्रवाई नहीं होती, इसलिए हर साल एक नया मामला खुलता है।बजरमुड़ा, महाजेंको, रेल लाइन, एनटीपीसी लारा, एनएच, तलाईपाली में भू-अर्जन घोटालों के लिए जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी आज भी मजे से अपनी जिंदगी जी रहे हैं क्योंकि सरकार ने कार्रवाई का साहस नहीं दिखाया। नतीजा यह हुआ कि दागी अफसर और कर्मचारी बेलगाम हो गए। धरमजयगढ़ में बांग्लादेश संघर्ष के कारण विस्थापित हुए परिवारों को बसाया गया था। किसी को पांच तो किसी को सात एकड़ जमीन कृषि कार्य के लिए मिली थी। इस जमीन का डायवर्सन और उपयोग अन्य प्रयोजन के लिए नहीं किया जा सकता था और न ही इसे बेचा जा सकता है।महादेव पिता मणींद्र बैरागी नामक व्यक्ति ने करीब 40 एकड़ शासकीय पट्टे की जमीन अपने और परिजनों के नाम कराई हैं। बायसी कॉलोनी में खनं 85/1 रकबा 2.0230 हे. और 85/2 रकबा 0.8100 हे. महादेव के परिवार के नाम पर है। खनं 85/2 व्यावसायिक औद्योगिक प्रयोजन के लिए डायवर्टेड हो चुकी है। इसी तरह धरमजयगढ़ कॉलोनी में खनं 114/2 रकबा 0.809 हे. भी डायवर्टेड है। यह भी महादेव के नाम पर है। कलेक्टर ने इस मामले में सख्त से सख्त कार्रवाई करने को कहा है। बताया जा रहा है कि राजस्व विभाग अपनी प्रक्रिया से कार्रवाई करेगा। साथ ही एफआईआर भी दर्ज करवाई जाएगी।

पत्नी के नाम भी की जमीन-जमीन का आवंटन परिवार के मुखिया के नाम पर ही होता है। सालों पहले आवंटित जमीनें अब महादेव, उसकी पत्नी पारुल और पुत्रों के नाम पर हैं। सवाल यह है कि क्या पति-पत्नी को अलग-अलग आवंटन हुआ। यदि नहीं हुआ तो कैसे उनके नाम दर्ज हैं। रजिस्ट्री भी नहीं हुई। बस पटवारी ने कलम उठाई और जमीन पर नाम दर्ज कर दिया।

केसीसी लोन का क्या होगा-सबसे बड़ी मुश्किल बैंकों को होने वाली है। महादेव ने धोखे से कब्जाई जमीन को बैंक में बंधक रखकर लाखों रुपए लोन लिया है। प्रशासन जमीन वापस ले लेगी तो बैंक अपनी रकम कैसे वसूल करेंगे। ऐसी स्थिति में लोन डूब जाएगा। जमीन सरकारी खाते में दर्ज होने के बाद बैंक नीलाम भी नहीं कर सकता। बायसी में खनं 80/1/क/14 रकबा 1.809 हे., 80/1/क/25 रकबा 0.437 हे., 80/1/क/24 रकबा 0.304 हे., 80/1/क/8 रकबा 1.850 हे., 80/1/क/19 रकबा 0.304 हे., 80/1/क/18 रकबा 0.304 हे., 80/1/क/16 रकबा 1.173 हे., 80/1/क/21 रकबा 0.500 हे., 80/1/क/17 रकबा 1.850 हे. पर लोन लिया गया है। यह जमीन महादेव, महावीर, विश्वजीत, पारुल, महानंद, सुजीत आदि के नाम पर हैं।

हरियाली पर चल रही अंधाधुंध कुल्हाड़ी, विद्युत विभाग की कटाई से उठे सवाल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले में इन दिनों हरियाली पर जमकर कुल्हाड़ी चल रही है। दरअसल, इन दिनों विद्युत वितरण कंपनी के कर्मचारियों द्वारा बारिश पूर्व मेंटनेंस का कार्य किया जा रहा है। जिसमें 11 केवी तारों के नीचे आने वाले पेड़ों की बेरहमी से कटाई की जा रही है। ऐसे में हरियाली पर विद्युत वितरण कंपनी के कर्मचारी भारी पड़ते दिखाई दे रहे हैं। एक ओर सरकार पौधरोपरण को बढ़ावा देने के लिए लोगों को प्रेरित किया जा रहा है ताकि पर्यावरण साफ सुथरी रहे, वहीं दूसरी ओर विद्युत तारों के नीचे वाले इलाके में जमकर कुल्हाड़ी चलाई जा रही है। शहर के चारों दिशाओं में इन दिनों विद्युत विभाग के कर्मचारियों द्वारा मेंटनेंस का कार्य किया जा रहा है। जिसमें मेंटनेंस तो कम, लेकिन पेड़ों की कटाई अधिक हो रही है। हालांकि बारिश के दिनों में ऐसे पेड़ ही विद्युत तार के नीचे गिरकर विद्युत सिस्टम को प्रभावित करते हैं लेकिन इतनी भी अधिक पेड़ों की कटाई लोगों के समझ से परे है। हालांकि गरीब तबके के लोगों के लिए ऐसे कटे पेड़ वरदान साबित हो रहा है। क्योंकि कटे हुए पेड़ों को लोग इंधन के लिए ले जा रहे हैं।

विद्युत तारों के नीचे न की जाए पौधरोपण

विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि हरियाली के लिए पौधरोपण बेहद जरूरी है, लेकिन जहां जहां से 10 केवी की तार गुजरी है वहां पौधरोपण न की जाए। ऐसे क्षेत्र में पौधरोपण यदि करें तो ऐसे पौधे लगाएं जिनकी हाइट 10 फीट से ऊपर न जाए। यदि 10 फीट से कोई पौधा या पेड़ ऊपर जा रहा है तो उसका कटना तय है। क्योंकि ऐसे पेड़ बारिश के दिनों में विद्युत वितरण सिस्टम को बाधित करते हैं।

जंगली सूअर के शिकार के लिए बिछाए गए तार से युवक की मौत, 4 आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

थाना बलौदा क्षेत्र के छाता जंगल में जंगली सूअर के शिकार के लिए अवैध रूप से बिजली करंट प्रवाहित करने के दौरान हुए हादसे में एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ धारा 106(1), 3(5) ब्न्हस् एवं 135 विद्युत अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।पुलिस के अनुसार 19 फरवरी 2026 की रात करीब 8 बजे ग्राम लेवई निवासी विरेन्द्र बंजारे, रामसिंह उर्फ नानदाउ, अक्षय बंजारे, मुकेश खुटे और अनिल लहरे छाता जंगल (खिसोरा के पास) में जंगली जानवरों के शिकार की नीयत से खुले जी.आई. तार जंगल में फैला रहे थे। करंट प्रवाहित करने के लिए अनिल लहरे 11 के.व्ही. विद्युत खंभे पर चढ़ा और लकड़ी के डंडे की सहायता से तार जोड़ने लगा। इसी दौरान उसे करंट लगा और वह नीचे गिर पड़ा।घटना की जानकारी मिलने पर अनिल लहरे के भाई को बुलाया गया और घायल को शासकीय अस्पताल बलौदा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।जांच में सामने आया कि आरोपियों ने यह जानते हुए भी कि करंट प्रवाहित है, बिना किसी सुरक्षा उपकरण के अपने साथी अनिल लहरे को खंभे पर चढ़ाया, जिससे उसकी करंट लगने से गिरकर मौत हो गई। इस पर थाना बलौदा पुलिस ने आरोपियों विरेन्द्र कुमार बंजारे (30), रामसिंह उर्फ नानदाउ (55), अक्षय बंजारे (31) और मुकेश खुटे (36) को उनके निवास से हिरासत में लेकर पूछताछ की। जुर्म स्वीकार करने पर पुलिस ने चारों आरोपीयो को विधिवत गिरफ्तारी कर सभी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। इस कार्रवाई में निरीक्षक मनोहर सिन्हा, प्र.आर. गजाधर पाटनवार, आरक्षक रज्जू टंडन, रोहित साहू, राघवेन्द्र सिंह और डोल सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

अग्निवीर परीक्षा के निशुल्क कोचिंग के लिए 30 अप्रैल तक ऑनलइन आवेदन आमंत्रित

पंजीकृत युवाओं को मिलेगा 1 माह का निशुल्क कोचिंग

सारंगढ़ बिलाईगढ। जिले के ऐसे युवा जिन्होंने भारतीय थल सेना अग्निवीर भर्ती हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र जमा किया है वे ऑनलाईन परीक्षा की निशुल्क कोचिंग के लिए 30 अप्रैल तक रोजगार विभाग के पोर्टल पर आवेदन आमंत्रित है। युवाओं को 4 मई से 4 जून तक 1 माह के लिए निशुल्क कोचिंग दी जाएगी। उम्मीदवार के चयन हेतु कम्प्यूटर आधारित ऑनलाईन लिखित परीक्षा जून 2026 में संभावित है। इसके बाद शारीरिक दक्षता एवं चिकित्सा परीक्षा उत्तीर्ण करना होगा। अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंट हेतु ऑनलाईन परीक्षा के समय टाईपिंग टेस्ट भी देना होगा। भर्ती की विस्तृत जानकारी कार्यालय जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र के अधिकारी रामजीत राम से मोबाइल नंबर 9424184279 से प्राप्त कर सकते हैं ।

आवासीय खेल अकादमी में चयन के लिए 28 अप्रैल से 1 मई तक रायपुर में होगा खेलों का ट्रायल

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से रायपुर स्थित आवासीय खेल अकादमी में विभिन्न खेलों के लिए चयन ट्रायल 28 अप्रैल से 1 मई तक आयोजित किया जाएगा। प्रभारी खेल अधिकारी ने जानकारी दी कि हॉकी (बालक-बालिका), तीरंदाजी (बालक-बालिका), फुटबॉल (केवल बालिका), वेटलिफ्टिंग (बालक-बालिका) व एथलेटिक्स (बालक-बालिका) खेलों में प्रवेश के लिए यह चयन प्रक्रिया आयोजित की जा रही है। तीरंदाजी, फुटबॉल व वेटलिफ्टिंग के लिए ट्रायल 28 से 29 अप्रैल तक, हॉकी व एथलेटिक्स के लिए 30 अप्रैल से 01 मई तक ट्रायल होंगे। ट्रायल में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों की आयु 13 से 17 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है। चयनित खिलाड़ियों को आवासीय सुविधा के साथ शिक्षा, भोजन, बीमा, खेल किट एवं उच्च स्तरीय प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। अधिक जानकारी व पंजीयन के लिए कलेक्टोरेट सारंगढ़ में कौशल ठेठवार सहायक खेल अधिकारी से मोबाइल नंबर 9977115799 पर संपर्क किया जा सकता है।

बीएससी नर्सिंग, पीएटी और पीवीपीटी प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 27 अप्रैल

सारंगढ़ बिलाईगढ़। बीएससी नर्सिंग, पीएटी और पीवीपीटी प्रवेश परीक्षा के लिए व्यापम की वेबसाईट सीजी डॉट सीजी स्टेट डॉट जीओवी डॉट इन में https:// vyapamcg.cgstate.gov.in/ में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 27 अप्रैल है। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा इसके लिए राज्य के सभी 33 जिलों में परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

सारंगढ़ में 28 अप्रैल को होगा रोजगार मेलाः साक्षात्कार हेतु सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के युवाओं को करना होगा ऑनलाइन पंजीयन

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा 28 अप्रैल 2026 को शासकीय सेजेस स्कूल खेलभांठा सारंगढ़ में जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला में निजी क्षेत्र के तकनीकी एवं गैर तकनीकी के पदों पर चयन हेतु साक्षात्कार लिया जाएगा। इस रोजगार मेला में शामिल होने के लिए ऑनलाईन पोर्टल ईरोजगार डॉट सीजी डॉट जीओवी डॉट इन www.erojgar.cg.gov.in में रोजगार पंजीयन एवं रोजगार मेला के लिए पंजीयन आवश्यक है। जिन आवेदकों ने ऑनलाईन पोर्टल में रोजगार पंजीयन एवं रोजगार मेला हेतु पंजीयन नहीं किया है, सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के आवेदकों का इंटरव्यू लिया जाएगा। वह पोर्टल पर अपना पंजीयन कर सकते हैं। रोजगार मेला में साक्षात्कार के लिए शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को समस्त शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र की ओरिजिनल और फोटोकॉपी , 2 पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड, अनुभव प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेज को साथ लाना होगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार अधिकारी रामजीत राम से मोबाइल नंबर 9424184279 से प्राप्त की जा सकती है।प्राइवेट कंपनी जो नौकरी देगी उनमें सुमित्रा सर्विस स्टेशन इनफन्ट आफ पूंजीपथरा थाना, ग्राम-पूंजीपथरा रायगढ़, स्वतंत्र माईकोफिन प्रा. लि. नियर आफ डिग्री कालेज लोचन नगर रायगढ़, वेदान्ता स्किल स्कूल अम्बेडकर भवन रोक्टर-05 बाल्को नगर कोरबा, टीवीएस ट्रेनिंग सर्विस, प्लाट नंबर 61 रेडी स्ट्रीट अटपिट्ठू, अम्बतूर इंडस्ट्रीयल स्टेट चेन्नई, साफ्ट बीट कम्प्यूटर रायगढ़, सेफ इंटेलिजेन्ट सिक्युरिटी सर्विस, आर्य नगर कोहका भिलाई-दुर्ग शामिल है।इस रोजगार मेला में 5वी, 8वी, दसवीं, 12वी,डिप्लोमा, बीई डिप्लोमा, बीएससी नर्सिंग, स्नातक (बीए, बीएससी, बीकाम) आईटीआई डिप्लोमा, आईटीआई (फिटर/वेल्डर) उत्तीर्ण 45 वर्ष के युवाओं को उनके योग्यता अनुसार फील्ड आफिसर, बैंक आफिसर, मेकेनिक, इलेक्ट्रिशियन, फिटर, मोबाइल रिपेयरिंग, होटल मैनेजमेंट, इलेक्ट्रीशियन, स्नातक, टीचिन्ग (ट्युटर) शिक्षक, सिक्युरिटी गार्ड, सिक्युरिटी सुपरवाइजर, फिल्ड आफिसर सिक्युरिटी ट्रेनर मार्केटिंग मैनेजर एकाउटेन्ट हेल्पर की नौकरी इंटरव्यू के बाद दी जा सकती है। वेतनमान 8 हजार से 20 हजार तक काम के आधार पर है।

भीषण गर्मी में लू से बचाव के उपाय

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में आम जन को लू (हिट स्ट्रोक) के बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। संपूर्ण विश्व में जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक तापमान में औसत रूप में वृद्धि हुई है, जिसके कारण प्रदेश के साथ हमारे जिले में भी भीषण गर्मी पड़ने एवं लू चलने की संभावना है। गर्मी के कारण सामान्य जनमानस का प्रभावित होता है, जिससे लू लगना एवं अन्य जलजनित बीमारियों होने की होने की संभावना बढ़ जाती है। गर्मी के कारण लू से बचाव तथा जलजनित संक्रामक बीमारियों से बचाव रोकथाम एवं उपचार हेतु पूर्व से तैयारी किया जाना अतिआवश्यक है। इस परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए दिशा निर्देश जारी किए हैं।

लू के लक्षण -सिर में भारीपन एवं दर्द होना, तेज बुखार के साथ मुंह सुखाना, चक्कर व उल्टियां होना, कमजोरी के साथ शरीर में अत्यधिक दर्द होना, पसीना नहीं आना, अधिक प्यास लगना लेकिन पेशाब का कम होना, भूख कम लगना, घबराहट लगाना, बेचैनी होना, बेहोश हो जाना आदि लू के लक्षण है।

लू से बचाव के उपाय- लू लगने का प्रमुख कारण तेज धूप और गर्मी में ज्यादा देर तक रहने के कारण शरीर में पानी और लवण मुख्यतः नमक की कमी हो जाना होता है। इससे बचाव के लिए बहुत जरूरी न हो तो घर से बाहर न जाए, घर से बाहर जाना ही हो तो, खाली पेट न जाए, धूप में निकलने से पहले सर व कान को मुलायम कपड़ों में अच्छी तरह से बांध ले तथा आंख में भी रंगीन चश्मा लगा ले, पानी साथ लेकर घर से निकले एवं बीच बीच में पानी पीते रहे, अधिक समय तक धूप में न रहे, गर्मी के दौरान नरम , मुलायम, सूती कपड़े पहनने चाहिए ताकि हवा और कपड़े पसीने को सोखते रहे, अधिक पसीना आने की स्थिति में ओआरएस की घोल पीएं। चक्कर आने ,मितली आने पर छायादार स्थान पर आराम करे तथा शीतल पेय जल अथवा उपलब्ध हो तो फल का रस ,लस्सी, मठा, आदि का सेवन करे। प्रारंभिक सलाह के लिए 104 आरोग्य सेवा केंद्र से भी निःशुल्क परामर्श लिया जा सकता है। उल्टी, सरदर्द, तेज बुखार की दशा में निकट के अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र में जरूरी सलाह लिया जा सकता है

लू लगने पर प्रारंभिक उपचार - बुखार पीड़ित के सर पर ठंडे पानी की पट्टी लगावे। अधिक पानी व पेय पदार्थ जैसे कच्चे आम का जलजीरा आदि का सेवन करें। पीड़ित व्यक्ति को पंखे के नीचे हवा में लिटा देवे। शरीर पर ठंडे पानी का छिड़काव करते रहे। पीड़ित व्यक्ति को शीघ्र ही पास के अस्पताल में इलाज के लिए ले जाए। मितानिन या एएनएम से ओआरएस की पैकेट हेतु संपर्क करे। अस्पतालों में व्यवस्था सीएमएचओ डॉ एफ आर निराला ने बताया कि जिले के सभी शासकीय अस्पतालों में लू प्रबंधन के लिए पर्याप्त व्यवस्था कर ली गई है। अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में ओआरएस एवं आईवी फ्ल्यूड की व्यवस्था कर ली गई और सभी आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए जा चुके हैं। जिले में एक कंट्रोल रूप की व्यवस्था बनाई जा रही है। उन्होंने जिले के सभी अस्पताल के प्रभारी डॉक्टर और स्टाफ को निर्देशित किया है, जिसमें बाह्य रोग विभाग में बुखार आने पर लू कि लक्षण की जांच करावे। अस्पताल में कम से कम दो बिस्तर लू प्रभावितों के लिए आरक्षित रखे। वार्डो में कूलर की व्यवस्था हो।

कलेक्टर का अल्टीमेटम हवा में, तहसीलदार का 'स्टे' सिर्फकागजों का शेर! कुंजारा पंचायत में धड़ल्ले से बन गईं 5 दुकानें

एक्सक्लूसिव खुलासा : लैलूंगा में सिस्टम 'सरेंडर', हिस्ट्रीशीटर के खौफसे बड़े झाड़ के जंगल' पर तन गया अवैध कॉम्प्लेक्स!!

रायगढ़/लैलूंगा /मूक पत्रिका

क्या रायगढ़ जिले के लैलूंगा जनपद क्षेत्र में कानून का राज खत्म हो चुका है? क्या यहां प्रशासन ने भू-माफियाओं और हिस्ट्रीशीटरों के आगे पूरी तरह घुटने टेक दिए हैं? ये सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि कुंजारा पंचायत में सरकारी मशीनरी की आंखों में धूल झोंककर, बल्कि यूं कहें कि उनकी मूक सहमति से बड़े झाड़ के जंगल' को कंक्रीट के अवैध कॉम्प्लेक्स में तब्दील कर दिया गया है। एसडीएम और कलेक्टर के आदेश यहां बेमानी हो चुके हैं और तहसीलदार का 'स्थगन आदेश' (Stay Order) सिर्फ रद्दी का एक टुकड़ा बनकर रह गया है। शिकायतकर्ता चीख-चीख कर सबूत दे रहे हैं, लेकिन 'साहब' हैं कि कुंभकर्णी नींद से जागने को तैयार नहीं।

अमृत सरोवर से शुरू हुई लूट, अब सरकारी जमीन पर कब्जा-कुंजारा पंचायत के निवासी जनेश्वर महतो ने इस पूरे 'महा-गठजोड़' की पोल खोलकर रख दी है। उनकी शिकायत के मुताबिक, पंचायत में धांधली की शुरुआत 'अमृत सरोवर' तालाब के निर्माण से ही हो गई थी, जहां नियमों को ताक पर रखकर बेखौफजेसीबी मशीनों से काम कराया गया। जब उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो गए कि उन्होंने सीधे खसरा नंबर 243/1 (शासकीय भूमि) पर कब्जा कर अवैध कॉम्प्लेक्स तानना शुरू कर दिया। जनदर्शन से लेकर कलेक्टर तक शिकायत पहुंची। नतीजतन, तहसीलदार ने 'स्टे ऑर्डर' तो जारी कर दिया, लेकिन यह आदेश सिर्फकागजों तक सीमित रहा। मौके पर काम एक दिन के लिए भी नहीं रुका और आज वहां लगभग 5 दुकानें सीना ताने खड़ी हैं।

खौफ का साम्राज्यः सरपंच पति की आपराधिक कुंडली और सफेदपोशों का हाथ!!-आखिर वो कौन है जिसके आगे पूरा प्रशासनिक अमला थर-थर कांप रहा है? जनेश्वर महतो के मुताबिक, इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड कोई और नहीं बल्कि कुंजारा का सरपंच पति दिलकुमार भगत है। दिलकुमार कोई आम ग्रामीण नहीं है, बल्कि उसकी पृष्ठभूमि रेंजर हत्याकांड, अन्य हत्याओं और गांजा तस्करी जैसे संगीन अपराधों से जुड़ी है, जिसके चलते वह जेल की हवा भी खा चुका है। गांव में उसका इतना खौफ है कि कोई उसके खिलाफ मुंह खोलने की जुर्रत नहीं करता। आरोप तो यहां तक हैं कि उसे जनपद उपाध्यक्ष सुक्रन मनोज का सीधा राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। इसी 'खादी और खाकी' के गठजोड़ के कारण तहसीलदार ने शिकायतकर्ता से यहां तक कह दिया कि ÷उनके पास और भी बहुत काम हैं।÷

24 तारीख बीत गई, कहां गई कलेक्टर की रिपोर्ट?-इस मामले में प्रशासनिक संवेदनहीनता की हद देखिए। कलेक्टर और एसडीएम ने सख्त निर्देश देते हुए इस पूरे प्रकरण में तीन दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट तलब की थी। 24 तारीख की मियाद भी गुजर चुकी है, लेकिन न तो रिपोर्ट फाइल हुई और न ही अवैध निर्माण पर एक भी ईट गिरने से रोकी गई। जब इस गंभीर मसले पर लैलूंगा तहसीलदार से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क किया गया, तो उन्होंने फोन उठाना और जवाब देना ही मुनासिब नहीं समझा। बड़ा सवाल यह है कि जब स्टे ऑर्डर लागू है, तो काम क्यों नहीं रुका? क्या तहसीलदार की भूमिका भी इस मामले में संदिग्ध है? शिकायतकर्ता के आरोप इसी ओर इशारा कर रहे हैं कि बिना मिलीभगत के इतना बड़ा ढांचा खड़ा नहीं हो सकता।

पंचायती राज का उड़ा मजाकः ÷पतिदेव देखते हैं काम-जब इस पूरे घोटाले पर कुंजारा की सरपंच से जवाब मांगा गया, तो उनका बयान पंचायती राज व्यवस्था के मुंह पर एक तमाचा था। उन्होंने सवालों से बचते हुए गैर-जिम्मेदाराना लहजे में कहा,

÷मुझे किसी प्रकार की जानकारी नहीं है, पूरा काम मेरे पतिदेव देखते हैं।÷ यह बयान इस बात का जीता-जागता प्रमाण है कि कैसे महिला आरक्षण को ढाल बनाकर पंचायत की सत्ता एक हिस्ट्रीशीटर के हाथों में सौंप दी गई है। अगर उन्हें जानकारी नहीं थी, तो अब जानकारी मिलने के बाद उन्होंने प्रशासन से कार्रवाई की मांग क्यों नहीं की?

विधायक की चुप्पी पर उठते सवाल?-यह पूरा मामला लैलूंगा विधायक विद्यावती सिदार के विधानसभा क्षेत्र का है। स्थानीय जनता और जनप्रतिनिधि अब सीधे सवाल कर रहे हैं कि क्या विधायक महोदय को अपने क्षेत्र में खुलेआम चल रहे इस 'भू-माफिया राज' की कोई भनक नहीं है? यदि है, तो वे खामोश क्यों हैं? जनता मांग कर रही है कि विधायक इस मामले में तत्काल संज्ञान लें और दोषियों पर एफआईआर दर्ज करवाएं।

अब जनपद सीईओ पर टिकी निगाहें:-लैलूंगा की जनता अब जनपद सीईओ की ओर देख रही है। क्या वे इस अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलवाकर प्रशासन का इकबाल बुलंद करेंगे, या फिर यह मामला भी लालफीताशाही की फाइलों में दबकर रह जाएगा? अगर जल्द ही इस अवैध कॉम्प्लेक्स पर हथौड़ा नहीं चला, तो वह दिन दूर नहीं जब भू-माफिया धमकी की नोक पर पूरे लैलूंगा की सरकारी और नजूल जमीनों को बेच खाएंगे।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटोरोला एज 70 प्रो

रायपुर। मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में वैश्विक अग्रणी और भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला ने आज मोटोरोला एज 70 प्रो लॉन्च किया, जिसे उन्नत लो-लाइट फोटोग्राफी, शानदर विजुअल्स और अगली पीढ़ी के ऑन-डिवाइस एआई के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को सीज़ द नाइट में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस डिवाइस में motoAI के साथ एडवांस्ड सोनी-LYTIA™ 710 कैमरा द्वारा संचालित ट्रिपल 50MP प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम है, जो शानदार नाइट फोटोग्राफी, लो-लाइट क्लैरिटी, ब्लर-फ्री शॉट्स, पैंटोनइ वैलिडेटेड टू कलर्स और स्किनटोन™ सटीकता के साथ सभी कैमरों पर 4K 60FPS वीडियो प्रदान करता है। मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8500 एक्सट्रीम द्वारा संचालित, यह उन्नत ऑन-डिवाइस एआई प्रोसेसिंग के साथ लो- लाइट इमेजिंग को और बेहतर बनाता है। मोटोरोला एज 70 प्रो में मोटोरोला द्वारा बिल्कुल नया कलेक्शंस डिज़ाइन भी पेश किया गया है, जिसमें पैंटोन™ क्यूरेटेड रंगों में शानदार सैटिन-लक्स, टेलर्ड फैब्रिक और मार्बल फिनिश शामिल हैं, जिसे 144H5 तक के 1.5K टू कलर™ क्राड-कर्व्ड पैंटोन™ वैलिडेटेड एक्सट्रीम एमोलेड डिस्प्ले के साथ जोड़ा गया है। 90W टर्बोपावरइ चार्जिंग और IP68 + IP69 ड्यूरेबिलिटी के साथ विशाल 6500mAh सिलिकॉन-कार्बन बैटरी द्वारा समर्थित, यह डिवाइस एक वास्तविक फ्लैगशिप-ग्रेड स्मार्टफ़ोन अनुभव प्रदान करता है। मोटोरोला एज 70 प्रो अपने उन्नत 50MP सोनी LYTIA™ 710 कैमरा और motoAI की शक्ति के साथ इमेजिंग के क्षेत्र में एक नया बेंचमार्क स्थापित करता है, जो असाधारण स्पष्टता, बेहतर सिग्नल-टू-नॉइज़ परफॉरमेंस और ब्राइटर हाइलाइट्स व डीपर शैडो के साथ शानदार लो-लाइट परिणाम देता है। motoAI वास्तविक समय में टेक्सचर, डायनेमिक रेंज और मोशन डिटेक्शन को बेहतर बनाता है, जिससे तेज़ गति वाले दृश्यों में भी स्पष्ट और ब्लर-फ्री कैप्चर सुनिश्चित होता है। मल्टीस्पेक्ट्रल 3-इन-1 सेंसर द्वारा समर्थित पैंटोन™ वैलिडेटेड कलर्स और पैंटोन™ स्किनटोन™ वैलिडेशन के साथ, यह कैमरा प्रामाणिक और वास्तविक रंग व सटीक स्किन टोन को ठीक वैसे ही पुनरुत्पादित करता है जैसा कि क्रिएटर्स ने चाहा था।

रसवी के लॉन्च के साथ रामा वर्ल्ड ने द नेबरहुड को क्यूरेटेड प्रीमियम फूड डेस्टिनेशन के रूप में किया स्थापित

नईदिल्ली। रसवी, एक लग्ज़री कन्फेक्शनरी ब्रांड, ने रामा वर्ल्ड में अपने पहले फ्लैगशिप एक्सपीरियंस सेंटर का शुभारंभ किया। यह लॉन्च न केवल प्रीमियम मिठाइयों और गिफ्टिंग सेगमेंट में एक नई शुरुआत है, बल्कि रामा वर्ल्ड के विकसित हो रहे द नेबरहुड फूड स्ट्रीट का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रसवी को पारंपरिक स्वीट शॉप मॉडल से आगे बढ़ाकर एक डिज़ाइन-आधारित रिटेल कॉन्सेप्ट के रूप में विकसित किया गया है, जो आधुनिक उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं—जैसे प्रीमियम अनुभव, आकर्षक प्रस्तुति और क्यूरेटेड चयन—को ध्यान में रखता है। इस एक्सपीरियंस सेंटर में हाई-एंड इंटीरियर्स, बुटीक-स्टाइल डिस्प्ले और अंतरराष्ट्रीय स्तर की पैकेजिंग एस्थेटिक्स देखने को मिलती हैं। यहां कन्फेक्शनरी और डेज़र्ट्स की एक विशेष रेंज उपलब्ध है, जिसमें कूवर्चर चॉकलेट्स, इंडियन फ्यूज़न स्वीट्स, पारंपरिक मिठाइयाँ, पेस्ट्री, डेज़र्ट्स और कैफे-स्टाइल बेवरेज शामिल हैं। यह मिश्रण पारंपरिक स्वाद और आधुनिक प्रस्तुति का एक संतुलित अनुभव प्रदान करता है। रसवी गिफ्टिंग सेगमेंट में भी एक मजबूत पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर है। ब्रांड फेस्टिव हैम्पर्स, वेडिंग कलेक्शन्स, कॉर्पोरेट गिफ्ट बॉक्सेस और कस्टमाइज्ड चॉकलेट असॉर्टमेंट्स पेश करता है, जिन्हें प्रीमियम पैकेजिंग और आकर्षक डिज़ाइन के साथ तैयार किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक अगले हफ्ते करेंगी नई दिल्ली का दौरा, भारत की हैं मुरीद

संयुक्त, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक अगले हफ्ते भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगी। यह जानकारी उनकी प्रवक्ता ला नीस कॉलिन्स ने दी। प्रवक्ता ला नीस कॉलिन्स ने बताया कि भारत सरकार के निमंत्रण पर अपनी इस यात्रा के दौरान, बेयरबॉक भारतीय अधिकारियों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। वह भारत में संयुक्त राष्ट्र की टीम से भी मिलेंगी, जिसका नेतृत्व रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर स्टीफन प्रीसनर कर रहे हैं।

पहले भी कर चुकी हैं भारत का दौरा

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के फरवरी में नई दिल्ली में 'एआई इम्पैक्ट समिट' में शामिल होने के बाद यह भारत में संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारियों की दूसरी उच्च-स्तरीय यात्रा है। बेयरबॉक पहले भी भारत की यात्रा कर चुकी हैं। जर्मनी की विदेश मंत्री के तौर पर अपनी एक यात्रा के दौरान उन्होंने भारत के साथ संबंधों

को मजबूत करने की वकालत की थी। उस दौरान उन्होंने दिल्ली मेट्रो में भी सफर किया था। हालांकि, महासभा की अध्यक्ष के तौर पर यह एनालेना बेयरबॉक की पहली भारत यात्रा है। भारत के बाद बेयरबॉक चीन की यात्रा पर जाएंगी। भारत के विकास की मुरीद हैं बेयरबॉक 2022 में मंत्री के तौर पर अपनी पहली भारत यात्रा के दौरान उन्होंने कहा था, 'चाहे वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र हो या उससे बाहर, इसमें कोई शक नहीं कि 21वीं सदी के अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देने में भारत एक अहम भूमिका निभाएगा।' उन्होंने आगे कहा कि भारत ने 15 वर्षों में 40 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, जो यह दिखाता है कि एक बहुलवादी समाज, स्वतंत्रता और लोकतंत्र ही आर्थिक विकास, शांति और स्थिरता के वाहक हैं। उस यात्रा के दौरान हिंद-प्रशांत क्षेत्र चर्चा का मुख्य विषय रहा था। उन्होंने कुशल कर्मियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए 'प्रवासन और गतिशीलता समझौते' पर हस्ताक्षर किए थे। बेयरबॉक साल 2024 में जर्मनी-भारत के बीच सातवें अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) के लिए भारत आए चांसलर ओलाफ शोल्ज के साथ भी आई थीं। जर्मनी जी-4 का सदस्य है। इस समूह में भारत के अलावा ब्राजील और जापान भी शामिल हैं। यह समूह सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यों को शामिल करके उसमें सुधार करने की वकालत करता है। ये चारों देश सुरक्षा परिषद में बदलाव स्थायी सीटों के लिए एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।

भारतीय दूतावास ने ईरान की यात्रा करने वाले नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी, दी यह सलाह

तेहरान, एजेंसी। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने ईरान में जारी क्षेत्रीय तनाव और उड़ान सेवाओं पर असर को देखते हुए भारतीय नागरिकों के लिए अहम यात्रा परामर्श जारी किया है। दूतावास ने कहा है कि भारतीय नागरिक फिलहाल ईरान की यात्रा न करें, चाहे वह हवाई मार्ग से हो या जमीनी रास्ते से। दूतावास ने अपनी एडवाइजरी में कहा कि भारत और ईरान के बीच कुछ उड़ानों के शुरू होने की खबरें सामने आई हैं, लेकिन क्षेत्रीय हालात के कारण एयरस्पेस प्रतिबंध और परिचालन अनिश्चितताएं अभी भी बनी हुई हैं। इसका असर ईरान आने-जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पड़ रहा है। ऐसे में मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए यात्रा से बचने की सलाह दी गई है। भारतीय दूतावास ने यह भी दोहराया कि ईरान में मौजूद सभी भारतीय नागरिक जल्द से जल्द देश छोड़ने की प्रक्रिया शुरू करें। दूतावास ने कहा कि वहां रह रहे भारतीय नागरिक केवल निर्धारित जमीनी सीमा मार्गों से ही बाहर निकलें और यह पूरी प्रक्रिया दूतावास के समन्वय में करें, ताकि सुरक्षित निकासी सुनिश्चित की जा सके। एडवाइजरी में कहा गया है कि मौजूदा हालात को देखते हुए किसी भी तरह की यात्रा योजना बनाने से पहले भारतीय नागरिक सतर्क रहें और दूतावास द्वारा जारी ताजा निर्देशों का पालन करें। किसी भी सहायता, जानकारी या मार्गदर्शन के लिए भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करने को कहा है।

ईरान ने खारिज किया ट्रंप का अंदरूनी मतभेद का दावा; ड्रोन हमले के बाद कुवैत एयरपोर्ट में लगी आग

तेहरान, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना ने कहा है कि एशिया में अमेरिका द्वारा जब्त किया गया एक तेल टैंकर गलत तरीके से उसके देश का झंडा इस्तेमाल कर रहा था। यह टैंकर कथित तौर पर प्रतिबंधित ईरान के कच्चे तेल को ले जा रहा था, जिस कारण अमेरिका ने इसे जब्त किया। गुयाना के समुद्री प्रशासन विभाग ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि यह जहाज उनके देश में पंजीकृत (रजिस्टर्ड) नहीं है। इसलिए इसका गुयाना का झंडा दिखाना पूरी तरह गलत और धोखाधड़ी है।

इस्राइली सेना का दावा- लेबनान में मिसाइल लॉन्चर को निशाना बनाया

इस्राइल ने कहा कि उसने लेबनान में उस मिसाइल लॉन्चर को निशाना बनाकर हमला किया है, जिसने गुरुवार को इस्राइल की ओर मिसाइल दागी थी, जिसे इस्राइली एयर डिफेंस ने रोक दिया था। इस हमले की जिम्मेदारी हिजबुल्ला ने ली है। इस्राइल की ओर से यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि इस्राइल-लेबनान के बीच संघर्षविराम को तीन हफ्ते के लिए बढ़ा दिया गया है। हिजबुल्ला ने कहा कि उसने लेबनान के याते गांव पर हुए इस्राइली हमले के जवाब में इस्राइल पर रॉकेट दागे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस्राइली तोपखाने की गोलाबारी में एक बच्चे सहित दो लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि नबातिये क्षेत्र में इस्राइली हवाई हमले में तीन लोगों की मौत हुई। वहीं, इस्राइली सेना ने दावा किया कि उसने उन तीन लड़ाकों को मार गिराया है, जिन्होंने इस्राइली विमान पर मिसाइल दागी थी।

अमेरिकी-इस्राइली हमलों में दक्षिणी तेहरान में 12 लोगों की मौत हुई। फार्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस्राइली

बलों ने लेबनान में बीते 24 घंटों में कम से कम 33 लोगों को मार गिराया, जिनमें एक 15 वर्षीय लड़का भी शामिल है।

इस्राइली चिकित्सकों के मुताबिक, लेबनान से दागे गए रॉकेट हमले में उत्तरी इस्राइल में एक व्यक्ति की मौत हुई और दो अन्य घायल हुए। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कहा कि ईरानी हमले में बहरीन में उसकी सेना के साथ काम कर रहा एक मोरक्को नागरिक मारा गया और कई सैनिक घायल हुए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत जारी है और तेहरान समझौते के लिए उत्सुक है। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने ट्रंप के दावों को 'अफवाह' करार दिया और कहा इनका इस्तेमाल तेल और वित्तीय बाजारों को प्रभावित करने के लिए हो रहा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने जर्मन राष्ट्रपति के उस बयान का स्वागत किया, जिसमें अमेरिका-इस्राइल युद्ध को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया गया। ड्रोन हमले के बाद कुवैत के हवाई अड्डे पर लगी आग ड्रोन हमले के बाद कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आग लग गई। कुवैत के विमानन प्राधिकरण ने बताया कि ड्रोन ने हवाई अड्डे पर एक ईंधन टैंक को निशाना बनाया, जिससे यह आग लगी। हवाई अड्डा के प्रवक्ता अब्दुल्ला अल-राजही ने कुवैत न्यूज एजेंसी को बताया कि शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार नुकसान केवल संपत्ति तक सीमित है और कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने तुरंत आपातकालीन प्रक्रिया दी और दमकल दल व संबंधित एजेंसियां आग पर काबू पाने में जुटी हुई हैं। फरवरी के अंत में अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद कुवैत ने पहली बार अपना हवाई क्षेत्र फिर से खोल दिया है। कुवैत के विमानन प्राधिकरण के महानिदेशक हमूद मुबारक ने सरकारी समाचार एजेंसी केयूएनए को बताया कि कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का हवाई क्षेत्र गुरुवार से फिर से खोल दिया गया है। इसे 28 फरवरी से क्षेत्र की स्थिति के कारण अस्थायी और एहतियाती तौर पर बंद किया गया था। उन्होंने कहा कि यह कदम एक चरणबद्ध योजना का हिस्सा है, जिसके तहत धीरे-धीरे हवाई यातायात बहाल किया जा रहा है, ताकि आने वाले समय में हवाई अड्डे का संचालन पूरी तरह सामान्य किया जा सके।

हिंदू कोई धर्म नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत पहचान

वॉशिंगटन में होसबाले बोले- आरएसएस हमेशा परंपरा की बात करता है

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत, उसकी संस्कृति, पड़ोसी देशों और वैश्विक संबंधों को लेकर कई अहम बातें कही हैं। उन्होंने साफ शब्दों में आरएसएस की सोच और भारत की भूमिका को समझाने की कोशिश की। होसबाले ने कहा कि आरएसएस के अनुसार हिंदू कोई धर्म नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत पहचान है। उन्होंने बताया कि संगठन हमेशा संस्कृति, परंपरा और मूल्यों की बात करता है, न कि किसी एक धर्म की।

उनके मुताबिक, भारत और उसके पड़ोसी देशों के बीच समय-समय पर तनाव रहा है, जिसकी वजह राजनीति, इतिहास की गलत समझ और आपसी भरोसे की कमी है। उन्होंने कहा कि लगातार बातचीत और संवाद से इन समस्याओं को दूर किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के एक पड़ोसी देश के साथ ज्यादा समस्याएं हैं, और इसके पीछे बाहरी ताकतों की भूमिका भी रही है, जिससे आपसी विश्वास कमजोर हुआ है।

भारत-अमेरिका संबंधों पर भी बोले होसबाले

भारत और अमेरिका के संबंधों पर बोलते हुए होसबाले ने कहा कि अगर दोनों देश मजबूत साझेदारी चाहते हैं, तो उन्हें भरोसे और समान अवसर के आधार पर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने लोगों के बीच सीधे संबंध बढ़ाने पर भी जोर दिया। आधुनिकता और संस्कृति के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि दोनों एक साथ चल सकते हैं और इनमें कोई टकराव नहीं है। उन्होंने बताया कि एशियाई समाजों में लंबे समय से यह संतुलन देखने को मिलता

है। सनातन को उन्होंने ऐसा बताया जो हमेशा से है और समय के साथ आगे बढ़ता रहता है।

आरएसएस पर लगे आरोपों को किया खारिज: इसके साथ ही आरएसएस पर हिंदू श्रेष्ठतावाद के आरोपों को खारिज करते हुए होसबाले ने कहा कि हिंदू विचारधारा सभी में एकता देखने की बात करती है। उन्होंने कहा कि इतिहास में हिंदुओं ने न तो किसी देश पर हमला किया और न ही किसी को गुलाम बनाया, इसलिए उन्हें किसी बात के लिए माफी मांगने की जरूरत नहीं है। कुल मिलाकर उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरएसएस अपनी विचारधारा को सांस्कृतिक और समावेशी रूप में प्रस्तुत कर रहा है और भारत की वैश्विक भूमिका को मजबूत करने पर जोर दे रहा है।

कैसे हैं मोजतबा खामेनेई?: पैर की तीन सर्जरी, चेहरा भी झुलसा; ईरानी अधिकारियों ने बताया सुप्रीम लीडर का हाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई चिट्ठियों के जरिए ईरानी शासन के संपर्क में हैं। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने ईरानी अधिकारियों के हवाले से दावा किया है कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई सुप्रीम लीडर बनने के बाद से सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखाई दिए हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मोजतबा खामेनेई अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में कमजोर और असुरक्षित नहीं लगना चाहते।

रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षा के चलते और अमेरिका और इस्राइल की निगरानी से बचने के लिए मोजतबा खामेनेई तक संदेश पहुंचाने का तरीका भी बेहद गोपनीय रखा गया है। संदेश हाथ से लिखे जाते हैं, लिफाफों में सील किए जाते हैं और फिर भरोसेमंद कूरियरों की एक श्रृंखला के जरिए आगे बढ़ाए जाते हैं। ये कूरियर कारों और मोटरसाइकिलों से मुख्य सड़कों और अंदरूनी रास्तों के जरिए सफर करते हुए संदेश को उनके ठिकाने तक पहुंचाते हैं। मोजतबा खामेनेई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का

इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अपने पिता की मौत के बाद सत्ता संभालने वाले मुजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हैं और फिलहाल छिपकर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई होश में हैं, लेकिन वह सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आ रहे हैं और उनकी भूमिका को धीरे-धीरे कम किया जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वह मानसिक रूप से पूरी तरह एक्टिव हैं, लेकिन शारीरिक चोटें काफी गंभीर हैं। उनके एक पैर का तीन बार ऑपरेशन हो चुका है और अब उन्हें कृत्रिम पैर (प्रोस्थेटिक) की जरूरत है। एक हाथ की भी सर्जरी हुई है और वह धीरे-धीरे ठीक हो रहा है।

क्या फेल हो गया ट्रंप का गोल्ड कार्ड वीजा प्लान?: भारी कमाई के दावे, लेकिन अब तक सिर्फ एक को मिली मंजूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की तरफ से शुरू किए गए नए गोल्ड कार्ड वीजा कार्यक्रम को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने बताया कि इस योजना के तहत अब तक केवल एक व्यक्ति को ही मंजूरी दी गई है, जबकि कई आवेदन अभी जांच के दौर में हैं। बता दें कि इस योजना में कोई विदेशी नागरिक कम से कम 1 मिलियन डॉलर (करीब 8 करोड़ रुपये से ज्यादा) देकर अमेरिका में रहने और काम करने का अधिकार पा सकता है। इसके अलावा 15000 डॉलर की अतिरिक्त फीस भी लगती है, ताकि आवेदकों की सख्त जांच की जा सके। यह योजना पहले से चल रहे श्वक्र5 वीजा कार्यक्रम की जगह लाने के लिए बनाई गई है, जिसमें निवेश के बदले वीजा दिया जाता था। ट्रंप ने इस योजना को ग्रीन कार्ड का एडवांस वर्जन बताया था और दावा किया था कि इससे विदेशी निवेश और प्रतिभा को अमेरिका लाया जाएगा। उन्होंने पहले इसे 5 मिलियन डॉलर तक का विकल्प भी बताया था।

अरबों डॉलरों की कमाई की योजना फेल

इस योजना की शुरुआत के साथ ही ट्रंप प्रशासन ने कई सारे दावे किए। बताया गया कि इस योजना से अरबों डॉलर की कमाई हो सकती है, लेकिन अब तक वास्तविक मंजूरी सिर्फ एक ही व्यक्ति को मिली है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि सैकड़ों लोग आवेदन प्रक्रिया में हैं। सरकार ने यह भी कहा है कि यह पैसा कैसे खर्च होगा, इसका फैसला बाद में प्रशासन करेगा और इसका उद्देश्य अमेरिका के हित में विकास करना होगा।

कंपनियां भी कर सकती है स्पॉन्सर

इतना ही नहीं इस योजना में कंपनियां भी 2 मिलियन डॉलर देकर विदेशी कर्मचारियों को स्पॉन्सर कर सकती हैं, साथ ही हर साल 1% मेंटेनेंस फीस भी देनी होगी। इसके लिए एक खास वेबसाइट भी बनाई गई है, जिसमें 'अमेरिका में जीवन के द्वार खोलें' लिखा है और ट्रंप की तस्वीर, अमेरिकी प्रतीक और गोल्ड कार्ड का डिजाइन दिखाया गया है।

प्लेटिनम कार्ड भी प्रस्तावित: इसके साथ ही सरकार ने यह भी बताया कि एक और महंगा विकल्प प्लेटिनम कार्ड भी प्रस्तावित है, जिसमें 5 मिलियन डॉलर में 270 दिन तक अमेरिका में रहने और कुछ टैक्स छूट जैसे फायदे मिल सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, दुनिया के कई देश पहले से ऐसे गोल्डन वीजा कार्यक्रम चलाते हैं, जिनमें यूके, स्पेन, ग्रीस, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश शामिल हैं।

होर्मुज से इतर रास्तों की तलाश में तेल-गैस निर्यातक, नए मार्ग बनाने की दिशा में बढ़ रहे खाड़ी देश

वाशिंगटन/दुबई/तेहरान, एजेंसी। होर्मुज जलडमरूमध्य के लगभग बंद होने के बाद पश्चिम एशिया के तेल और गैस उत्पादक देश वैकल्पिक निर्यात मार्गों की तलाश में तेजी से जुट गए हैं। दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल का प्रवाह जिस समुद्री मार्ग से होता था, उसके बाधित होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति संकट गहरा गया है। सऊदी अरब और यूएई के पास कुछ वैकल्पिक पाइपलाइनें हैं, लेकिन उनकी क्षमता होर्मुज के मुकाबले बहुत कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान द्वारा होर्मुज को रणनीतिक दबाव के औजार के रूप में इस्तेमाल करना लंबे समय में उसी के प्रभाव को कमजोर कर सकता है, क्योंकि खाड़ी देश अब स्थायी रूप से नए निर्यात मार्ग विकसित करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम-एशिया के तेल और गैस उत्पादक देश अपने निर्यात के लिए वैकल्पिक मार्गों की तलाश में जुटे हैं, क्योंकि होर्मुज अब भी व्यावसायिक यातायात के लिए लगभग बंद है। अमेरिका-ईरान इस जलमार्ग को शांति वार्ताओं में दबाव के साधन के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। अटलांटिक काउंसिल की वरिष्ठ सलाहकार मैसून काफाफी के अनुसार, होर्मुज से जुड़े जोखिम दशकों से ज्ञात थे। यह दुनिया का सबसे अधिक अध्ययन किया गया ऊर्जा चोकपॉइंट रहा है। लेकिन इतने बड़े निवेश को उचित ठहराने लायक नहीं माने गए।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते पर 27 अप्रैल को होंगे हस्ताक्षर

पीएम क्रिस्टोफर लक्सन का बड़ा एलान

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने भारत के साथ व्यापारिक संबंधों को लेकर बड़ी घोषणा की है। लक्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर सोमवार यानी 27 अप्रैल को हस्ताक्षर किए जाएंगे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत औपचारिक रूप से 16 मार्च 2025 को शुरू हुई थी। यह औपचारिक शुरुआत भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले के बीच एक बैठक के दौरान हुई थी।

नीचे जानिए समझौते की खास बातें: भारत और न्यूजीलैंड ने पिछले वर्ष दिसंबर को व्यापार वार्ताओं को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया था। यह 2020 के बाद से भारत का सातवां व्यापार समझौता है। आइए इस की प्रमुख बातों के बारे में।

शुल्क कटौती: न्यूजीलैंड 100% टैरिफ लाइनों पर शुल्क समाप्त करेगा, जबकि भारत ने संवेदनशील कृषि उत्पादों (जैसे डेयरी) के लिए सुरक्षा उपाय रखते

हुए 70% टैरिफ लाइनों को खोला है। व्यापार के आंकड़े: वित्त वर्ष 2025 में, भारत ने न्यूजीलैंड को 711.1 मिलियन डॉलर का निर्यात किया (एविएशन फ्यूल, टेक्सटाइल, फार्मा), जबकि आयात 587.1 मिलियन डॉलर रहा (कच्चा माल, स्क्रैप मेटल, कोयला)।

व्यापक दायरा: यह एफटीए 20 अध्यायों को कवर करता है, इसमे निवेश, छोटे व मध्यम उद्योग, बौद्धिक संपदा अधिकार, स्थिरता और पारंपरिक ज्ञान शामिल हैं। जीटीआरआई के अनुसार गतिशीलता, सेवाओं और निवेश को केंद्र में रखकर इस व्यापार समझौते को एक व्यापक और विविध आर्थिक रिश्ते की आधारशिला के रूप में देखा जा रहा है।

भारत ने अब तक किस-किसके साथ किए एफटीए?: भारत ने अब तक श्रीलंका, भूटान, थाईलैंड, सिंगापुर, मलयेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और मॉरीशस के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। इसके अलावा, भारत ने 10 देशों के समूह आसियान और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए, आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड के साथ भी व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके साथ ही, भारत अब तक अमेरिका, यूरोपीय संघ, चिली, पेरू और इस्राइल सहित कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ नए व्यापार समझौते पूरी करने पर बातचीत कर रहा है।

पंजाब नेआईपीएल का सबसे बड़ा टारगेट चेज कियाःदिल्ली को 6 विकेट से हराया

काम ना आई राहुल की रिकॉर्ड 152 रन की पारी

पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज किया। दिल्ली ने केएल राहुल के नाबाद 152 रन की बदौलत 20 ओवर में दो विकेट पर 264 रन बनाए। जवाब में पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह और कप्तान श्रेयस अय्यर ने अर्धशतक लगाए जिससे टीम ने 18.5 ओवर में चार विकेट पर 265 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। आईपीएल का यह सबसे सफल रन चेज है। ये रिकॉर्ड पहले भी पंजाब के ही नाम था जिन्होंने 2024 में केकेआर के खिलाफ दो विकेट पर 262 रन बनाए थे। अब पंजाब ने अपने इस रिकॉर्ड में सुधार किया है।

पंजाब का अजेय अभियान जारी

पंजाब का आईपीएल 2026 में अजेय अभियान जारी है और वह अंक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने सबसे ज्यादा 26 गेंदों पर नौ चौकों और पांच छक्कों की मदद से 76 रन बनाए, जबकि श्रेयस 36 गेंदों पर तीन चौकों और सात छक्कों के सहारे 71 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली के लिए कुलदीप यादव ने दो विकेट झटके, जबकि अक्षर पटेल और विपराज निगम को एक-एक सफलता मिली।

पावरप्ले का दूसरा सर्वोच्च स्कोर

लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब ने शानदार शुरुआत की और चार ओवर में 50 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। प्रभसिमरन सिंह ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अर्धशतक लगाया। पंजाब किंग्स ने पावरप्ले खत्म होने से पहले ही 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया था। पंजाब किंग्स ने आईपीएल में पावरप्ले का दूसरा सर्वोच्च स्कोर बना डाला। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्या ने पंजाब को धुआंधार शुरुआत दिलाई। पंजाब ने पहले छह ओवर में ही बिना किसी नुकसान के 116 रन बनाए। ये आईपीएल में पावरप्ले में बना दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। आईपीएल में पहले छह ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सनराइजर्स हैदराबाद के नाम है जिन्होंने 2024 में दिल्ली के खिलाफ बिना किसी नुकसान के 125 रन बनाए थे।

आईपीएल के सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर

बल्लेबाज	स्कोर	टीम	जगह	साल
क्रिस गेल	175*	आरसीबी	बंगलूरू	2013
ब्रेंडन मैकुलम	158*	केकेआर	बंगलूरू	2008
केएल राहुल	152*	डीसी	दिल्ली	2026
अभिषेक शर्मा	141	एसआरएच	हैदराबाद	2025
क्विंटन डिकॉक	140*	केकेआर	मुंबई	2022

फील्डिंग के दौरान लुंगी एनगिडी को सिर में लगी गंभीर चोट, एंबुलेंस से ले जाए गए अस्पताल

दिल्ली कैपिटल्स के घातक गेंदबाज लुंगी एनगिडी फील्डिंग करते वक्त चोटिल हो गए। फिजियो ने मैदान पर पहुंचकर उनका हाल जाना, जिसके बाद मैदान पर एंबुलेंस बुलाई गई और उन्हें बाहर ले जाया गया।

दिल्ली कैपिटल्स के घातक गेंदबाज लुंगी एनगिडी फील्डिंग करते वक्त चोटिल हो गए। फिजियो ने मैदान पर पहुंचकर उनका हाल जाना, जिसके बाद मैदान पर एंबुलेंस बुलाई गई और उन्हें बाहर ले जाया गया। एनगिडी की चोट कितनी गंभीर है, इसकी जानकारी अब तक नहीं मिल सकी है। शुरुआत में वह डॉक्टर से कुछ बात कर रहे थे। मैदान पर पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग भी पहुंचे।

सिर में लगी गंभीर चोट

दिल्ली और पंजाब के बीच आईपीएल मुकाबले के दौरान दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी चोटिल को फील्डिंग के दौरान सिर में गंभीर चोट लग गई, जिसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया।

श्रेयस की दमदार पारी

पंजाब ने नेहाल वढेरा को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा। श्रेयस और वढेरा के बीच अच्छी साझेदारी पनप रही थी। विपराज निगम ने हालांकि, वढेरा को आउट कर पंजाब को चौथा झटका दिया। विपराज 15 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 25 रन बनाकर आउट हुए। विपराज और श्रेयस के बीच चौथे विकेट के लिए 56 रनों की साझेदारी हुई। इस वक्त तक मैच काफी रोमांचक स्थिति में था। श्रेयस भी दबाव में आ गए, लेकिन करुण नायर ने दो बार श्रेयस का कैच छोड़ा। दोनों कैच आसान थे, लेकिन करुण ने दो बार श्रेयस को जीवनदान दिया। श्रेयस ने इसका पूरा फायदा उठाया। उन्होंने पहले 26 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया और वह सात गेंद शेष रहते टीम को जीत दिलाई।

आईपीएल में सर्वोच्च स्कोर बनाने वाले भारतीय बने केएल

इस मामले में रैना-धोनी को पीछे छोड़ा

केएल राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ नाबाद 152 रन बनाकर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी है। राहुल ने दमदार बल्लेबाजी की और नाबाद रहकर पवेलियन लौटे। राहुल आईपीएल में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ दमदार बल्लेबाजी की। राहुल ने इस मैच में अपने आईपीएल करियर का छठा शतक लगाया, जबकि अपनी शानदार पारी से रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। केएल ने इस मैच में 67 गेंदों पर 16 चौकों और नौ छक्कों की मदद से नाबाद 152 रन बनाए जो आईपीएल में किसी भारतीय बल्लेबाज का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है।

ब्रीफ न्यूज

भारतीय हॉकी के रत्न गुरबक्स सिंह ग्रेवाल का निधन

नई दिल्ली । भारतीय हॉकी के स्वर्णिम अध्याय के एक प्रमुख हस्ताक्षर, दिग्गज खिलाड़ी गुरबक्स सिंह ग्रेवाल का शुक्रवार को निधन हो गया। वे 1968 के मेक्सिको ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा थे, जहाँ भारत ने कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया था। उन्होंने पंजाब के मोहाली जिले में स्थित जिरकपुर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली।

गुरबक्स सिंह ग्रेवाल का नाम भारतीय हॉकी इतिहास में कई कारणों से स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उन्होंने अपने भाई बलबीर सिंह ग्रेवाल के साथ मिलकर 1968 के ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, जो भारतीय खेल जगत में एक अनोखी और दुर्लभ उपलब्धि मानी जाती है। दो सगे भाइयों का एक साथ ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना अपने आप में एक मिसाल है, जिसने कई युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया।

एक बेहतरीन खिलाड़ी होने के साथ-साथ, ग्रेवाल ने खेल प्रशासक के रूप में भी अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने पश्चिम रेलवे में वरिष्ठ खेल अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए न केवल प्रतिभाओं को निखारा, बल्कि खेल के विकास और प्रचार-प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका समर्पण और दूरदृष्टि मैदान के बाहर भी भारतीय हॉकी के उत्थान में सहायक सिद्ध हुई।

लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स के घरेलू मैदान पर खेले जाएंगे ओलंपिक में क्रिकेट मुकाबले : सीईओ

लॉस एंजेलिस । : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजोग गुप्ता ने कहा है साल 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में होने वाली क्रिकेट प्रतियोगिताएं लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स के घरेलू मैदान पोमोना पर आयोजित की जाएंगी। साथ ही कहा कि इस मैदान पर 128 साल बाद ओलंपिक मंच पर क्रिकेट की वापसी एक ऐतिहासिक पल होगा। इस मैदान के शिलान्यास समारोह में गुप्ता ने कहा कि जिस मैदान की नींव आज रखी जा रही है, वह सिर्फ एक क्रिकेट मैदान नहीं, बल्कि एक ऐसा वादा है जिसे पूरा करने में 128 साल लग गए। इससे अंदाज होता है कि ओलंपिक मंच पर क्रिकेट की वापसी के लंबे इंतजार के पूरे होने को लेकर कितना अधिक उत्साह है।

सूर्यवंशी के शतक के बावजूद राजस्थान हाराःहैदराबाद 5 विकेट से जीता

अभिषेक शर्मा और ईशान किशन की फिफ्टी

सवाई। सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल मुकाबले में पांच विकेट से हरा दिया। शनिवार को खेले गए मैच में राजस्थान ने 228 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद ने पांच विकेट के शेष रहते 229 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

हैदराबाद ने राजस्थान को हराया

ईशान मलिंगा की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के बाद अभिषेक शर्मा और ईशान किशन की शतकीय साझेदारी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हरा दिया। शनिवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान ने वैभव सूर्यवंशी की शतकीय और ध्रुव जुरेल की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 228 रन बनाए। जवाब में सनराइजर्स हैदराबाद ने 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 229 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी के शतक के बावजूद राजस्थान रॉयल्स को हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल 2026 के 36वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने 5 विकेट से जीत दर्ज की। शनिवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 228 रन बनाए। 229 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही हैदराबाद ने 18.3 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। ईशान किशन ने 74 और अभिषेक शर्मा ने 57 रन की तेज पारियां खेलीं। नीतीश कुमार रेड्डी ने 36 और हेनरिक क्लासन ने 29 रन का योगदान दिया। राजस्थान से जोफ्रा आर्चर और ब्रजेश शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। इससे पहले राजस्थान के लिए वैभव सूर्यवंशी ने 37 गेंदों पर 103 रन बनाए। उन्होंने 36 गेंदों में अपना दूसरा आईपीएल शतक पूरा किया। वैभव ने 12 छक्के और 5 चौके भी लगाए। वहीं ध्रुव जुरेल ने 51 रन और डोनोवन फरेरा ने 16 गेंदों पर 33 रन बनाए।

स्लैपगेट विवाद पर श्रीसंत का पलटवारः हरभजन सिंह पर लगाया पैसे कमाने का आरोप

बोले- सब दिखावा है

नई दिल्ली । साल 2008 के कुख्यात स्लैपगेट विवाद का भूत एक बार फिर इंडियन प्रीमियर लीग का पीछा कर रहा है। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने अपने पुराने साथी और दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। श्रीसंत ने दावा किया है कि हरभजन ने उस घटना से व्यावसायिक लाभ उठाया, जिसने टूर्नामेंट के पहले सीजन को बड़े विवादों में डाल दिया था। करीब दो दशक बाद, स्लैपगेट घटना के बाद श्रीसंत ने हाल ही में एक विज्ञापन को लेकर हरभजन सिंह की सार्वजनिक रूप से आलोचना की है, जिसमें उनके पुराने विवाद का जिक्र किया गया था। पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि समय के साथ उनके बीच का तनाव कम हो गया था, लेकिन उस घटना को व्यावसायिक रूप में बदलने के हरभजन के फैसले ने उनकी सोच पूरी तरह बदल दी है। यह विवाद 2008 में आईपीएल के पहले सीजन के दौरान किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और मुंबई इंडियंस के बीच एक मैच के बाद हुआ था, जब हरभजन ने श्रीसंत को थप्पड़ मार दिया था। मैच के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच हुई इस झड़प ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था, और श्रीसंत की परेशान तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं, जिसके बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई हुई थी, जिसमें हरभजन को टूर्नामेंट के बाकी मैचों से निलंबित कर दिया गया था।

पिचके गाल, चेहरा सूखा! बेन स्टोक्स को आखिर हुआ क्या? बदले-बदले से दिखे; फोटो देखकर फैंस हुए चिंतित

मुंबई। बेन स्टोक्स सर्जरी के बाद बदले लुक में नजर आए, जिससे फैंस चिंतित हो गए। फरवरी में हुए हादसे में उनके चेहरे की हड्डी टूट गई थी। अब उनकी रिकवरी जारी है और वह जल्द मैदान पर वापसी की तैयारी कर रहे हैं। **ट्रेनिंग के दौरान हुआ था गंभीर हादसा**

दरअसल, फरवरी 2026 में स्टोक्स के साथ एक बड़ा हादसा हुआ था। काउंटी टीम डरहम के साथ नेट सेशन के दौरान एक गेंद सीधे उनके चेहरे पर लग गई थी। इस हादसे में उनकी दाई गाल की हड्डी टूट गई थी, जिसके बाद उन्हें बड़ी सर्जरी करानी पड़ी। इस घटना को याद करते हुए स्टोक्स ने कहा, 'गेंद सीधे मेरे चेहरे पर लगी। अगर कुछ इंच इधर-उधर होता, तो शायद मैं आज यहां इंटरव्यू नहीं दे रहा होता।

दक्षिण चीन के हैनान प्रांत के सान्या में 6वें एशियन बीच गेम्स में जिउ जित्सु महिलाओं की -57केजी गोल्ड मेडल प्रतियोगिता के दौरान फिलीपींस की एनी रामिरेज़ के साथ मुकाबला करती फिलीपींस की एमिली रोज़लिन थॉमस।

कलाई में चोट; रोम मास्टर्स से भी बाहर

डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज फ्रेंच ओपन से हटे

दिल्ली। टेनिस स्टार और वर्ल्ड नंबर-2 कार्लोस अल्काराज इस साल फ्रेंच ओपन में नजर नहीं आएंगे। दो बार के मौजूदा चैंपियन अल्काराज ने कलाई की चोट से उबरने के लिए हटने का फैसला किया है। वे रोम मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लेंगे। फ्रेंच ओपन 18 मई से होना है।

22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इक्स' पर जानकारी दी। अल्काराज ने बताया कि टीम ने तय किया कि पूरी तरह फिट हुए बिना वापसी जोखिम भरी हो सकती है, इसलिए रिकवरी पर ध्यान जरूरी है।

कोच और टीम की सलाह-वापसी में जल्दबाजी न करें

अल्काराज ने पोस्ट में लिखा, 'हमने तय किया है कि सबसे समझदारी वाला काम सावधानी बरतना है। रोम या रोलां गैरो में हिस्सा न लेना एक कठिन फैसला है, लेकिन मुझे यकीन है कि मैं इस चोट से उबरकर और मजबूती से वापसी करूंगा।' अल्काराज अब मेडिकल टीम की देखरेख में रिहैब करेंगे और रिकवरी की प्रोग्रेस देखने के बाद ही तय करेंगे कि वे किस टूर्नामेंट से वापसी करेंगे।

शानदार रहा है सीजन, पिछले साल बचाई थी बादशाहत

अल्काराज के लिए यह साल शानदार रहा है। उन्होंने जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर सबसे कम उम्र में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले पुरुष खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया था। इस सीजन में उनका रिकॉर्ड 22-3 रहा है और उन्होंने दोहा में एक खिताब जीता है। पिछले साल फ्रेंच ओपन फाइनल में उन्होंने जनिक सिनर के खिलाफ तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाकर खिताब जीता था।

बार्सिलोना ओपन के दौरान लगी थी चोट

अल्काराज को इसी महीने बार्सिलोना ओपन के पहले दौर में कलाई में चोट लगी थी। ओटो विर्टानन के खिलाफ मैच जीतने के बाद दर्द बढ़ने पर उन्होंने टूर्नामेंट छोड़ दिया था। 17 अप्रैल को उन्होंने मैड्रिड मास्टर्स से भी नाम वापस ले लिया था, तभी से फ्रेंच ओपन खेलने पर सस्पेंस था। शुक्रवार के मेडिकल टेस्ट के बाद उन्होंने पेरिस न जाने की पुष्टि कर दी।

रैंकिंग पर पड़ेगा असर, सिनर को फायदा

अल्काराज ने 12 अप्रैल को मोंटे कार्लो मास्टर्स फाइनल में जैनिक सिनर से हारकर वर्ल्ड नंबर-1 रैंकिंग गंवा दी थी। अब फ्रेंच ओपन से हटने के कारण उन्हें रैंकिंग पॉइंट्स का बड़ा नुकसान होगा, क्योंकि वे मौजूदा चैंपियन के तौर पर अपने पॉइंट्स डिफेंड करने वाले थे। उनकी गैर-मौजूदगी में सिनर और नोवाक जोकोविच के बीच खिताबी जंग और रोचक होगी।

पिछले दरवाजे से परिसीमन का विरोध कर रही है कांग्रेस : विद्यावती सिदार

कांग्रेस की महिलानेत्रियों ने भाजपा पर किया पलटवार

जशपुरनगर/मूक पत्रिका

जनगणना की प्रक्रिया पूरी होने से पहले पिछले दरवाजे से परिसीमन करने का भाजपा और उसके सहयोगी दलों के प्रयास का कांग्रेस विरोध कर रही है ना कि महिला आरक्षण का। महिला आरक्षण बिल 2023 में संसद से पारित हो कर,राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद कानून बन चुका है। रायगढ़ जिले के लैलूंगा विधानसभा क्षेत्र की विधायक विद्यावती सिदार ने उक्त बातें कहीं।

वे जिला कांग्रेस भवन में आयोजित पत्रकारवार्ता को संबोधित कर रही थी। उन्होनें कहा कि महिलाओं को शासन-प्रशासन में अधिक से अधिक प्रतिनिधित्व देना कांग्रेस की प्राथमिकता रही है। देश को इंदिरा गांधी के रूप में पहली महिला प्रधानमंत्री कांग्रेस ने ही दिया है। इसके साथ मीरा कुमार के रूप में पहली लोकसभा अध्यक्ष,पहली महिला राजदूत विजय लक्ष्मी पंडित कांग्रेस ने ही दिया है। ऐसे में भाजपा और उसके सहयोगी दलों का आरोप पूरी तरह से बेमानी है। मिडिया के सवालों का जवाब देते हुए विधायक सिदार ने कहा कि हाल ही में लोकसभा में एनडीए द्वारा प्रस्तुत किया गया नारी शक्ति वंदन संशोधन विधायक पूरी तरह से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हो रहे चुनाव से प्रेरित था। लोकसभा में मात खाने के बाद प्रधानमंत्री सहित भाजपा और एनडीए के मंत्री व नेता कांग्रेस के सिर पर ठीकरा फोड़ने का प्रयास कर रहे है। लेकिन देश की जनता सब देख व समझ रही है। कांग्रेस की प्रदेश सचिव रत्ना पैंकरा ने कहा कि देश में पहली बार महिलाओं को पंचायती राज अधिनियम के माध्यम से 33 प्रतिशत आरक्षण कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने दिया था।उन्होनें कहा कि उन्होनें स्वयं पंचायतीराज अधिनियम में मिले आरक्षण के आधार पर पहली बार चुनाव लड़ा था। छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित करने के संबंध में पूछे गए सवाल पर विधायक विद्यावती सिदार ने कहा कि सरकार इस सत्र का आयोजन क्यों कर रही है,यह अब तक स्पष्ट नहीं है। इस मामले में शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार विधानसभा के अंदर सरकार को कांग्रेस कड़ा जवाब देगी। भाजपा द्वारा विधेयक गिरने के बाद कांग्रेस पर लगाए जा रहे देशहित के कदमों का विरोध करने के आरोप पर पलटवार करते हुए विधायक ने कहा कि आजादी के बाद देश के विकास कांग्रेस का योगदान और बलिदान ही भाजपा के इस प्रोपेगेंडा का जवाब है। पत्रकारवार्ता में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष व पूर्व विधायक यूडी मिंज, पूर्व विधायक विनय भगत, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष हीरू राम निकुंज, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष प्यारी कुजूर, प्रदेश सचिव रत्ना पैंकरा,ग्रामीण जिलाध्यक्ष सफिरा टोप्पो, प्रदेश सचिव किरण कांति सिंह, सेवादल की जिलाध्यक्ष रोशनी कुजूर,शबनम खातून, वैजंति पैंकरा, कल्पना लकड़ा, चंद्र प्रभा, पुष्पा, सीमा, सतीश गुप्ता, अमित महतो, अनोज गुप्ता, सहस्त्रांशु पाठक शामिल थे।

बेमेतरा में बढ़ती गर्मी के बीच पराली जलाने पर रोक की अपील, कृषि विभाग ने दी चेतावनी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे समय में कुछ स्थानों से किसानों द्वारा पराली (फसल अवशेष) जलाने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जो प्रशासन और कृषि विभाग के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। इस संबंध में कृषि विभाग बेमेतरा ने जिले के समस्त कृषकों से अपील करते हुए कहा है कि वे पराली जलाने से पूरी तरह बचें और पर्यावरण संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।कृषि विभाग के अनुसार पराली जलाने से न केवल वायु प्रदूषण तेजी से बढ़ता है, बल्कि इससे आग लगने की घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है, जिससे आसपास के खेतों, संपत्तियों और कभी-कभी जनहानि तक की स्थिति बन सकती है। इसके अलावा, पराली जलाने का सीधा असर मिट्टी की गुणवत्ता पर पड़ता है। इससे भूमि की उर्वरता में कमी आती है और मिट्टी में मौजूद लाभकारी जीवाणु एवं सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं, जो फसल उत्पादन के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं। विभाग ने किसानों को पराली प्रबंधन के वैकल्पिक उपाय अपनाने की सलाह दी है। इनमें पराली को खेत में मिलाकर जैविक खाद के रूप में उपयोग करना, आधुनिक कृषि यंत्रों जैसे हैप्पी सीडर, रोटावेटर आदि का उपयोग करना, तथा पराली को पशु चारे के रूप में इस्तेमाल करना शामिल है। इन उपायों से न केवल पर्यावरण की रक्षा होगी, बल्कि मिट्टी की गुणवत्ता भी बेहतर बनी रहेगी और किसानों को आर्थिक लाभ भी मिलेगा। कृषि विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि पराली जलाने पर शासन द्वारा दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे में किसानों से अपेक्षा की गई है कि वे नियमों का पालन करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचें। अंत में, विभाग ने सभी कृषकों से जिम्मेदार नागरिक के रूप में आगे आने और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने की अपील की है, ताकि बेमेतरा जिले को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त बनाया जा सके।

बेमेतरा में 'मन की बात' का 133वां एपिसोड बूथ स्तर पर सुना गया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

भारत के प्रधानमंत्री Narendra Modi के लोकप्रिय जनसंवाद कार्यक्रम Mann Ki Baat के 133वें एपिसोड को बेमेतरा शहर मंडल के प्रत्येक बूथ पर उत्साहपूर्वक सुना गया। वार्ड क्रमांक 14 में बूथ क्रमांक 31, 30, 29 एवं 28 पर कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने सामूहिक रूप से कार्यक्रम का श्रवण किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से युगल देवांगन (मंडल अध्यक्ष, शहर मंडल बेमेतरा), विकास तंबोली (पार्षद, वार्ड क्रमांक 11 एवं सभापति, नगर पालिका परिषद बेमेतरा), संदीप यादव (महामंत्री, भाजपा शहर मंडल बेमेतरा), दोहाई वर्मा (अध्यक्ष, सहकारी समिति, बेमेतरा), जितेंद्र वर्मा (सरपंच, रजकुड़ी), ताकेश्वर वर्मा (सरपंच, ओटेबंद), राजीव तंबोली (प्रचार मंत्री), लच्छन वर्मा (पिछड़ा वर्ग मोर्चा), भानु साहू (छाया पार्षद), निर्भय गोस्वामी, पोषण वर्मा एवं राजेंद्र वर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और उनसे प्रेरणा प्राप्त की। वक्ताओं ने कहा कि ÷मन की बात÷ समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से महिलाओं को धुएं से मुक्ति , जीवन हुआ आसान

जशपुर के1 लाख 54 हजार से अधिक महिलाओं को मिला योजना का लाभ

रायपुर/मूक पत्रिका

प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक पात्र परिवार तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे और उनके जीवन में वास्तविक परिवर्तन आए। इसी उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद महिलाओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान किए जा रहे हैं। जशपुर जिले में 1 लाख 54 हजार से अधिक महिलाओं को योजना का लाभ दिया गया है। इस योजना से महिलाओं को रसोई में धुएँ से मुक्ति मिल रही है तथा उनका जीवन अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बन रहा है। जशपुर जिले के विकासखंड बगीचा में हाल ही में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पात्र महिलाओं को गैस कनेक्शन वितरित किए गए। इस अवसर पर लाभार्थियों ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। विकासखंड बगीचा निवासी श्रीमती क्रांति यादव ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के हाथों गैस सिलेंडर प्राप्त कर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि अब उन्हें पारंपरिक चूल्हे के धुएँ से छुटकारा मिलेगा। पहले रसोई में धुएँ के कारण आँखों में जलन और सांस लेने में परेशानी होती थी, लेकिन अब गैस कनेक्शन मिलने से वे स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में आसानी से भोजन बना सकेंगी। इसी प्रकार ग्राम मड़िया निवासी श्रीमती फूलमती नगेसिया ने बताया कि वे अब तक लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाती थीं। धुएँ के कारण घर का वातावरण खराब हो जाता था और उन्हें काफी असुविधा होती थी। निःशुल्क गैस कनेक्शन मिलने से अब खाना जल्दी और साफ-सुथरे तरीके से बन सकेगा। उन्होंने कहा कि यह योजना उनके लिए बहुत राहत लेकर आई है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है, बल्कि समय और श्रम की भी बचत हो रही है। इससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है। राज्य सरकार द्वारा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले की महिलाओं के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है। यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

आवासीय खेल अकादमी रायपुर में प्रवेश हेतु राज्य स्तरीय चयन ट्रायल 2026-27 शुरू

बेमेतरा/मूक पत्रिका

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से आवासीय खेल अकादमी रायपुर में प्रवेश हेतु राज्य स्तरीय चयन ट्रायल 2026-27 का आयोजन प्रारम्भ किया जा रहा है। यह चयन प्रक्रिया अकादमी संचालन नियम 2014 के अंतर्गत आयोजित की जाएगी।जारी कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न खेल विधाओं के लिए चयन ट्रायल अलग-अलग तिथियों में आयोजित होंगे। तीरंदाजी (बालक/बालिका), फुटबॉल (बालिका) एवं वेट लिफ्टिंग (बालक/बालिका) के लिए चयन 28 एवं 29 अप्रैल को किया जाएगा। वहीं हॉकी (बालक/बालिका) तथा एथलेटिक्स (बालक/बालिका) के लिए चयन प्रक्रिया 30 अप्रैल से 01 मई तक आयोजित की जाएगी।

सभी चयन ट्रायल प्रतिदिन सुबह 7 बजे से प्रारम्भ होंगे, जिसमें 13 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। चयन प्रक्रिया के प्रथम दिवस प्रतिभागियों का पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन, चिकित्सीय परीक्षण एवं शारीरिक दक्षता परीक्षण आयोजित किया जाएगा। यह प्रक्रिया स्वामी विवेकानंद स्टेडियम, कोटा (रायपुर) में संपन्न होगी। द्वितीय दिवस पर खेल कौशल परीक्षण आयोजित किए जाएंगे। तीरंदाजी के लिए तीरंदाजी एरीना (बालिका खेल छात्रावास के सामने मैदान), हॉकी के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम (पिच क्रमांक-02) तथा फुटबॉल (बालिका), एथलेटिक्स एवं वेट लिफ्टिंग के लिए स्वामी विवेकानंद स्टेडियम, कोटा (रायपुर) में परीक्षण आयोजित होंगे।

सरिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 40 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

अवैध शराब के खिलाफ सरिया पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने ग्राम भटली में दबिश देकर 40 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

मुखबिर की सूचना पर घर में दी गई दबिश-मामले में पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अपने घर में बिक्री के लिए अवैध शराब छिपाकर रखा है। इसके बाद थाना प्रभारी प्रमोद यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम भटली में आरोपी के घर के बाड़ी में घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की। मौके पर मौजूद युवक ने अपना नाम राकेश उर्फ विक्की सिंह (26 वर्ष) बताया।

बोरी में छिपाकर रखी थी महुआ शराब-तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से लाल रंग की बोरी में प्लास्टिक पन्नी में भरी 40 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद की गई।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह शराब बिक्री के लिए रखे था और उसके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं था। पुलिस ने आबकारी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। इस कार्रवाई में पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमीषा पाण्डेय और डीएसपी संतोषी ग्रेस के निर्देशन में थाना प्रभारी प्रमोद यादव, प्रधान आरक्षक मोहन गुप्ता, आरक्षक विमल जांगड़े, दिगंबर पटेल, खेमलाल चौहान, दिलीप स्नेही, लक्ष्मी पटेल, प्रीति खड़िया सहित थाना सरिया के स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीताराम मानस संगठन का गठन, चंद्रप्रकाश कुलदीप बने प्रदेश मीडिया प्रभारी

कोंडागांव/मूक पत्रिका

जिले के फरसगांव में सीताराम मानस संगठन छत्तीसगढ़ का गठन किया गया। इस अवसर पर सर्वसम्मति से चंद्रप्रकाश कुलदीप को संगठन का प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया।

शिव शरण मानस परिवार कोर्राप्लाट फरसगांव के संचालक चंद्रप्रकाश कुलदीप को यह जिम्मेदारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष लोकेश गायकवाड़ द्वारा कार्यकारिणी से चर्चा के बाद सौंपी गई। उनकी यह नियुक्ति मानस के प्रचार-प्रसार में किए गए उल्लेखनीय योगदान को ध्यान में रखते हुए की गई है।

चंद्रप्रकाश कुलदीप एक प्रसिद्ध भजन गायक एवं कथावाचक हैं। उन्होंने अपनी संस्था शिव शरण मानस परिवार के माध्यम से जिला कोंडागांव सहित छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों में जाकर शिव कथा, रामायण पाठ और भजन संध्या जैसे धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

संस्कृति संरक्षण के क्षेत्र में भी उनका विशेष योगदान रहा है। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल ÷सी इस नाइन मॉरल म्यूजिक÷ के जरिए गांड़ा जाति की संस्कृति, बस्तर की मेला परंपरा और गोंड जनजाति की बूढ़ादेव सेवा संस्कृति पर आधारित गीत एवं एल्बम प्रस्तुत किए हैं।

सीताराम मानस संगठन ने ऐसे समर्पित और उभरते कलाकार को यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपते हुए हर्ष व्यक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष लोकेश गायकवाड़ ने बधाई देते हुए आशा जताई कि संगठन की गतिविधियों और कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार मीडिया के माध्यम से होगा।

इस नियुक्ति पर संगठन के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंहा, प्रदेश सलाहकार योगेश्वर साहू, प्रदेश सचिव सुरेन्द्र जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष चंदन नाईक, ब्लॉक अध्यक्ष फरसगांव गंगाराम सेन, कांकेर क्षेत्र के प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु जैन, महिला प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिका साहू, प्रदेश सचिव आरती गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारियों ने चंद्रप्रकाश कुलदीप को बधाई दी।

गैस की किल्लत कम होने का नाम नहीं ले रही

गैस सिलेंडर के लिए उमड़ पड़ी भीड़, सिलेंडर लेने बीच सड़क में लाइन लगाए ग्राहक

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

गैस की किल्लत कम होने का नाम नहीं ले रही है। उपभोक्ताओं को सरकार की घोषणा के मुताबिक 25 दिनों बाद भी गैस की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इसके लिए उपभोक्ताओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बीते दिनों जिन ग्राहकों ने गैस रिफिलिंग के लिए नंबर लगाया था उनका नंबर मंगलवार को लगा। ग्राहक जब गैस से भरी ट्रक जांजगीर के चांपा रोड में उपभोक्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। ग्राहक लाइन में लगकर अपना सिलेंडर लेने टूट पड़े। इस दौरान सड़क पर लाइन लगी रही। गौरतलब है कि जिले में एलपीजी गैस की किल्लत से जूझ ही रहे हैं। दरअसल, शहर में इंडेन की मुख्य एजेंसी नहीं होने का खामियाजा भुगत रहे हैं। दरअसल जिला मुख्यालय में एचपी गैस की एजेंसी है। वहीं इंडेन गैस की एजेंसी धुरकोट ग्रामीण व औरईकला ग्रामीण व चांपा के एजेंसी पर निर्भर हैं। चूंकि पहले उपभोक्ताओं के द्वारा ग्रामीण गैस वितरक एजेंसी से ही अपना कार्ड थोक के भाव में बनाए हैं। इसके लिए उन्हें गांव जाकर गैस की रिफिलिंग करानी पड़ रही है। धुरकोट के ग्राहक धुरकोट गांव जाकर गैस भरा रहे हैं। वहीं औरईकला के ग्राहकों के लिए संचालक ने चांपा रोड में एक वितरण केंद्र बनाया है। जहां मंगलवार को जब सिलेंडर से भरा गैस आया तब वे अपना सिलेंडर लेने के लिए चांपा रोड में टूट पड़े। बीच सड़क में ग्राहकों की लाइन लगी थी। ग्राहकों को जैसे तैसे गैस की आपूर्ति कराई गई। दरअसल, गैस एजेंसी संचालकों को घर पहुंच सेवा देना भी अनिवार्य किया गया है। जिस वक्त में गैस की किल्लत नहीं थी उस संचालक घर पहुंच सेवा दे रहे थे। जैसे ही अमेरिका इरान युद्ध का दौर चला तो गैस एजेंसी के संचालकों ने घर पहुंच सेवा बंद कर दी। इसके चलते ग्राहकों को एजेंसी का चक्कर लगाना पड़ रहा है। जबकि एजेंसी संचालक घर पहुंच सेवा दे सकते हैं, लेकिन दे नहीं रहे हैं। इसके लिए ग्राहक अतिरिक्त शुल्क देने के लिए भी राजी हैं, इसके बाद भी घर पहुंच सेवा मिल रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।